शिव आमंत्रण

सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवाओं का दर्पण

RNI:RAJHIN/2013/53539
Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26
Licensed to Post without pre-payment
No. RJ/WR/WPP/18/2024-26
Posted at Shantivan P.O. Dt. 17 to 20 of Each Month

वर्ष-11, अंक-12, हिन्दी (मासिक), दिसंबर 2024, पृष्ठ 16, मूल्य- 12:50

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र का कमाल

गीले कचरे से हर माह बन रहा डेढ़ लाख लीटर जैविक खाद

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने ऊर्जा के क्षेत्र में एक नया कदम आगे बढ़ाया है। संस्थान के सभी परिसरों से निकलने वाले गीले कचरे को रिसाइकिल कर बिजली और जैविक खाद का उत्पादन किया जा रहा है। इससे जहां हर माह छह हजार यूनिट बिजली मिल रही है, वहीं हर माह एक से डेढ़ लाख लीटर जैविक खाद का उत्पादन हो रहा है। इसका उपयोग सब्जी-फसल उत्पादन और बागवानी में किया जाता है। इस संयंत्र की स्थापना में जर्मनी के बीके क्लॉस पीटर भाई का विशेष योगदान रहा। वहीं सोलर प्लांट के इंजीनियर्स की टीम से इसे आकार दिया है।

आठ माह पूर्व रखी गई थी नींव

संस्थान के सोलार थर्मल पावर प्लांट परिसर स्थित क्लीन पार्क में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र (सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट) की स्थापना की गई है। जो यहां आने वाले लाखों लोगों के लिए कचरा प्रबंधन और निस्तारण का संदेश दे रहा है। आठ माह पूर्व ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र की नींव संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने रखी थी। तब से लेकर इस संयंत्र में रोजाना संस्थान के अलग-अलग परिसरों से निकलने वाले गीले कचरे का कलेक्शन कर प्लांट में रिसाइकिल किया जाता है।

इन परिसरों से लाते हैं कचरा

ब्रह्माकुमारीज संस्थान के आबू रोड स्थित मुख्यालय शांतिवन परिसर, आनंद सरोवर, ज्ञान सरोवर, तपोवन, मनमोहिनीवन, वहीं माउंट आबू स्थित पांडव भवन, ज्ञान सरोवर सहित छोटे-बड़े 12 परिसरों में से निकलने वाले कचरे को चार कचरा वाहनों की मदद से प्लांट लाया जाता है। जहां सूखे और गीले कचरे को अलग-अलग स्टोरेज किया जाता है। सूखे कचरे को अलग कर लिया जाता है।

ऐसे तैयार होता है लिक्विड खाद

गीले कचरे को मशीन से छोटे-छोटे क्रिस्टल में कटिंग की जाती है। फिर मिक्सर से जूस की तरह पीसकर तरल घोल तैयार किया जाता है। फिर इसे डाइजेस्टर टैंक में डाला जाता है। जिससे 250-350 क्यूबिक बायोगैस बनती है। बायोगैस को जनरेटर से बिजली में बदला जाता है। रोजाना तीन हजार से चार हजार लीटर लिक्विड खाद निकलती है। बाजार में यह लिक्विड खाद एक रुपए लीटर के हिसाब से मिलती है।

बड़े कुएं की तरह होता है डाइजेस्टर टैंक

गीले कचरे से तैयार किए गए पल्प को बड़े आकार के बने डाइजेस्टर टैंक में डाला जाता है। इसकी छत को जमीन के ऊपर बड़े गुब्बारे जैसे आकार में बनाया जाता है। वहीं नीचे की तरफ कुंआ की तरह बड़ा टैंक होता है। इसमें पहले से तैयार गोबर का घोल रहता है। गोबर में ऐसे जीवाणु रहते हैं जो गीले कचरे के पल्प को खाते हैं तो इनके खाने से बायोगैस बनती है। फिर इस गैस को बायोगैस जनरेटर में सप्लाई किया जाता है जो बिजली का निर्माण करता है।

200	3-4	08	04
यूनिट बिजली का रोजाना उत्पादन	हजार लीटर तरल जैविक खाद का रोजाना उत्पादन	सेवाधारियों की टीम सेवा में जुटी	कचरा गाड़ियों से करते हैं कलेक्शन

बायोगैस से हर माह हो रहा छह हजार यूनिट बिजली का उत्पादन

रोजाना चार हजार लीटर खाद का निर्माण

इस संयंत्र से रोजाना चार हजार लीटर तरल जैविक खाद का निर्माण होता है। इसे हम खेतों में सीधे तौर पर या पानी में मिलाकर सिंचाई कर सकते हैं। पूरे संयंत्र में सात से आठ लोगों की टीम कार्य करती है।

घास और पत्तों का भी उपयोग

इस संयंत्र की सबसे बड़ी विशेषता है कि इसमें गार्डन, पार्क से निकलने वाली घास और पत्तों के कचरे को भी उपयोग में लाया जाता है। इन पत्तों और घास को अन्य गीले कचरे के साथ ग्राउंड करके लिक्विड तैयार किया जाता है।

32 हजार लोगों की कैपेसिटी से किया गया है डिजाइन

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र के बीके योगेंद्र भाई ने बताया कि इस संयंत्र को इस हिसाब से डिजाइन किया गया है कि 32 हजार लोगों के लिए बनने वाले भोजन से निकलने वाला गीला कचरा (फल, सब्जी का अपशिष्ट) एक दिन में यहां रिसाइकिल किया जा सकता है। संयंत्र में तीन से साढ़े तीन टन गीले कचरे को रोजाना रिसाइकिल करने की क्षमता है। सूखे कचरे में शामिल पेपर, ग्लास, प्लास्टिक, बॉटल आदि को मशीन से अलग किया जाता है।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन संयंत्र के फायदे

1. कचरे से मुक्ति: इस संयंत्र से जहां डंपिंग ग्राउंड में कचरे का अंबार नहीं लगता है, वहीं इसका सदुपयोग हो जाता है। पर्यावरण संरक्षण और वायु प्रदूषण दूर करने में मदद मिलती है। कचरे से मुक्ति के साथ मुफ्त में जैविक खाद मिल जाती है।

2. बिजली उत्पादन: बिजली उत्पादन से ऊर्जा की जरुरतों को पूरा करने में मदद मिलती है। इससे बिजली पर निर्भरता कम होती है।

3. रोजगार का सृजन: इस संयंत्र में काम करने और कचरा कलेक्शन के लिए एक टीम की जरुरत होती है, जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिल जाता है।

4. जैविक खाद निर्माण: सबसे महत्वपूर्ण बात गीले कचरे से हमें पेड़-पौधों, फल-सब्जियों और फसल उत्पादन के लिए मुफ्त में जैविक खाद मिल जाती है। इससे उत्पादन लागत कम हो जाती है। जमीन की उर्वरा शक्ति और उत्पादन बढ़ता है।

5. सतत विकास (सस्टेनेबल डवलपमेंट): सतत विकास वृद्धि और मानव विकास के लिए एक दृष्टिकोण है जिसका उद्देश्य भविष्य की पीढ़ियों की अपनी जरुरतों को पूरा करने की क्षमता से समझौता किए बिना वर्तमान की जरुरतों को पूरा करना है।

नेपाल के काठमांडू में ब्रह्माकुमारीज़ का नगरकोट रिट्रीट सेंटर समाजसेवा के लिए समर्पित, हजारों लोग बने साक्षी

राष्ट्रपति ने किया ज्ञानसरोवर अकादमी रिट्रीट सेंटर का उद्घाटन

शिव आमंत्रण, काठमांडू, नेपाल।

ब्रह्माकुमारीज़ नेपाल काठमांडू जोन द्वारा नवनिर्मित ज्ञानसरोवर अकादमी एवं रिट्रीट सेंटर का उद्घाटन नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल के मुख्य आतिथ्य में भव्य समारोह के बीच संपन्न हुआ। उद्घाटन समारोह ब्रह्माकुमारी राजयोग सेवाकेंद्र नेपाल की संचालिका राजयोगिनी डॉ. राज दीदी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि यह संस्था पिछले छह दशकों से नेपाल में और 87 वर्षों से विश्व भर में शांति, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देने का कार्य कर रही है। ज्ञानसरोवर अकादमी और रिट्रीट सेंटर का निर्माण चरित्र और कर्मों के उत्थान के पवित्र उद्देश्य से किया गया है, जो स्थानीय निवासियों और आगंतुकों सहित सभी देशवासियों में सद्गुण और संस्कार को प्रोत्साहित कर सुखी और शांतिपूर्ण समाज की स्थापना में सहायक होगा।

राष्ट्रपति ने वर्तमान तनावपूर्ण माहौल में समाज की प्रगति और शांति के लिए आध्यात्मिक चिंतन, मनन और विश्व बंधुत्व की भावना को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ संस्था की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह अभियान समाज और राष्ट्र को सकारात्मक दिशा प्रदान कर रहा है।

नेपाल के उपप्रधानमंत्री और शहरी विकास मंत्री प्रकाशमान सिंह ने कहा कि उनका पूरा परिवार ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के निस्वार्थ सेवा और दिव्यता से गहराई से प्रभावित है। यह संगठन शांति, भाईचारे और एकता का संदेश देकर समृद्ध समाज निर्माण में अपनी भूमिका निभा रहा है। इसका परोपकारी कार्य सभी के लिए अनुकरणीय है।

मुख्य वक्ता माउंट आबू से पधारे संस्था के कार्यकारी सचिव राजयोगी डॉ. बीके मृत्युंजय भाई ने कहा कि सभी समस्याओं की जड़ प्रकृति और परमात्मा से दूरी है। समाधान केवल ईश्वर और प्रकृति की ओर लौटने में है। ज्ञानसरोवर न केवल ज्ञान की झील है, बल्कि यह योग, प्रेम और शांति की भी झील है। राष्ट्रपति ने परिसर के मुख्य द्वार पर रिबन काटकर और शिलालेख ज अनावरण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद, राष्ट्रपति, उप प्रधानमंत्री, राजयोगिनी डॉ. राज दीदी और राजयोगी डॉ. बीके मृत्युंजय ने चारधाम का उद्घाटन किया।

नेपाल की निदेशिका राजयोगिनी राज दीदी ने कहा कि शिवबाबा के दिव्य ज्ञान ने लाखों आत्माओं के जीवन को सकारात्मक रूप से बदल दिया है। उन्होंने इस आयोजन को भव्य, सार्थक और सफल बनाने के लिए सभी गणमान्य अतिथियों का हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों ने अपनी गायन और नृत्य प्रस्तुतियों से समारोह में रंग भर दिया। केक कटिंग और ईश्वरीय सौगात वितरण ने इस आयोजन को और खास बना दिया। इस अवसर पर नेपाल सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधि, ब्रह्माकुमारीज़ के वरिष्ठ सदस्य, मीडिया कर्मी, शिक्षाविद, धार्मिक विचारक, और नेपाल-भारत के विभिन्न क्षेत्रों से आए गणमान्य अतिथियों ने हिस्सा लिया।

हैदराबाद में शिक्षा में मूल्य और आध्यात्मिकता विषय पर शिक्षाविदों के लिए संगोष्ठी का आयोजन

मानसिक स्थिरता के लिए मेडिटेशन जरूरी

शिव आमंत्रण, हैदराबाद

ब्रह्माकुमारीज़, ग्लोबल पीस ऑडिटोरियम, शांति सरोवर में शिक्षाविदों के लिए 'स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज के लिए शिक्षा में मूल्य और आध्यात्मिकता' विषय पर कांफ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसमें हैदराबाद के आसपास के क्षेत्र के लगभग एक हजार से भी अधिक स्कूल, कॉलेज व यूनिवर्सिटी शिक्षकों ने भाग लिया।

श्री भास्कर कला अकादमी, हैदराबाद की कन्याओं द्वारा गणेश नृत्यम प्रस्तुत किया। इसके बाद ब्र.कु. मनीषा बहन ने 'मूल्य और आध्यात्मिकता द्वारा मानसिक कल्याण' विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि स्कूल, कॉलेज व यूनिवर्सिटी में विद्यार्थियों द्वारा हमें जब गुड मोर्निंग करके विश किया जाता है तब हमें उन सभी को स्नेह और सम्मान देते हुए रेस्पोंड करना है। भय अथवा प्रेम की मनोस्थिति का प्रभाव हमारे विचारों, व्यवहार तथा व्यक्तित्व पर पड़ता है। इसीलिए हमें अपनी प्रतिक्रिया के माध्यम से विद्यार्थियों को सहज व सरल करना चाहिए ताकि वे सुगमतापूर्वक हमारे संपर्क में आ सकें। किसी भी परिस्थिति में स्थित रहने वाला मनुष्य मन से सदा स्वस्थ होता है। उन्होंने प्रेजेंटेशन के माध्यम से अपने विषय को विस्तार से स्पष्ट किया और मानसिक स्थिरता और एकाग्रता को बढ़ाने के लिए मेडिटेशन के अनेकों प्रयोगों के बारे में भी बताया।

हैदराबाद की राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. सुमनलता बहन ने संस्थान द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों के लिए की जा रही सेवाओं के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि शिक्षकों का कर्तव्य है - ज्ञान रुपी समुद्र से अपनी कश्ती के द्वारा सभी को किनारे तक पहुँचाना। वर्तमान समय में समाज के हर वर्ग का व्यक्ति अपने अन्दर में परिवर्तन का अनुभव करना चाहता है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की प्रमुख शिक्षा राजयोग जीवन-शैली के माध्यम से हमें अपने व्यक्तिगत जीवन में सकारात्मक परिवर्तन करने की प्रेरणा मिलती है। स्व अनुभूति और परमात्म अनुभूति के द्वारा जब हम ईश्वर के साथ अविनाशी सम्बन्ध का अनुभव करते हैं तब उस कनेक्शन से मिलने वाली शक्तियां हमारे अन्दर की समस्त नकारात्मकता को समाप्त कर सकारात्मक परिवर्तन का अनुभव कराती है। इस प्रकार मेडिटेशन के वैज्ञानिक अर्थ को स्पष्ट करते हुए सभी को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया।

अवन्ती श्रीनिवास जी (चेयरमेन, अवन्ती इंस्टिट्यूशन, हैदराबाद) ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर उन्हें आध्यात्मिक जीवन-शैली द्वारा जीवन में आने वाले सकारात्मक प्रभाव तथा मेडिटेशन के वैज्ञानिक स्वरुप को जानने का अवसर मिला। इस सत्र का सफल संचालन ब्र.कु. लक्ष्मी ने किया। ब्र.कु. अंजलि बहन के द्वारा सभी का शब्दों के द्वारा स्वागत किया गया।

ब्र.कु. पांड्यामणि जी (निदेशक, मूल्य शिक्षा कार्यक्रम) ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान द्वारा 87 वर्षों से भारत तथा विश्वभर में मूल्य और आध्यात्मिकता के क्षेत्र में की जा रही सेवाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम में पधारे भ्राता श्री गद्दम् श्रीनिवास यादव जी (चेयरमेन, हैंडावी ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन, हैदराबाद) ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह कार्यक्रम बहुत सुन्दर है और इस शान्ति की ऊर्जा से सम्पन्न परिसर में आकर मैं दिव्यता की अनुभूति कर रहा हूँ।

कृषि अधिकारियों के लिए मेडिटेशन रिट्रीट आयोजित

जयपुर, राज.। ब्रह्माकुमारीज़ के पीस पैलेस सेवाकेंद्र जयपुर में कृषि अधिकारियों के लिए एक मोटिवेशनल एवं मेडिटेशन रिट्रीट कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम में राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान (आर ए आर आई) दुर्गापुरा, जयपुर से उपनिदेशक एस. एस. राजावत की अध्यक्षता में सहायक निदेशक, कृषि अधिकारी व सहायक कृषि अधिकारियों का 40 का ग्रुप पहुंचा ।

कार्यक्रम का विषय 'आर्ट ऑफ इनर स्टेबिलिटी' को स्पष्ट करते हुए सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी हेमलता बहन ने बताया कि हम थोड़ा सा समय निकाल कर आंतरिक मन की स्थिरता को महत्व देंगे तो बाहर की व्यवस्था स्वतः सही हो जाएगी। ब्रह्माकुमारी कविता बहन ने राजयोग मेडिटेशन को स्पष्ट किया और मन की एकाग्रता के लिए राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया ।

कृषि विश्वविद्यालय से सेवानिवृत प्रोफेसर डॉ रामगोपाल जाट व डॉक्टर हनुमान जाट ने अपने राजयोग के अनुभव साझा किये व ब्रह्माकुमारीज के कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा चलाए जा रहे अनेक प्रोजेक्ट से सभी को अवगत कराया एवं विशेष *'यौगिक खेती' के बारे में बताया कि यह अनेक राज्यों में चल रहा है जिसके बहुत सुंदर परिणाम सामने आ रहे हैं साथ ही बताया कि शांतिवन के तपोवन में यौगिक खेती के निरंतर ट्रेनिंग प्रोग्राम चलते हैं व सभी अतिथियों को माउंट आबू का निमंत्रण दिया। बसंत भाई ने मंच संचालन किया अधिकारियों बाबा के घर पधारने पर धन्यवाद किया व शुभकामनाएं दी।अंत में ब्रह्माकुमारी मीना बहन ने सभी को प्रसाद वितरित किया ।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन सिंह यादव ने किया वैश्विक शिखर सम्मेलन 2024 का प्रदेश स्तरीय शुभारंभ

परमात्मा में संपूर्ण निष्ठा हो तो सदा सहयोग मिलता हैः सीएम

शिव आमंत्रण, भोपाल।

ब्रह्माकुमारीज़ के सुख शांति भवन मेडिटेशन रिट्रीट सेंटर नीलबड़ में वैश्विक शिखर सम्मेलन 2024 आध्यात्मिकता द्वारा स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज का प्रदेश स्तरीय शुभारंभ मुख्यमंत्री मोहन सिंह यादव द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि भारत विश्व का एकमात्र देश है जिसने समर्थ होते हुए भी अपने किसी भी पड़ोसी देश पर आक्रमण नहीं किया है। सदा ही वसुधैव कुटुंबकम की भावना लिए सर्व को सहयोग दिया। यदि परमात्मा में संपूर्ण निष्ठा हो तो परमात्मा का सहयोग सदा ही मिलता रहता है। हम बुरे वक्त में भी परमात्मा की सुरक्षा महसूस कर सकते हैं। परमात्मा अदृश्य रूप में सदा हम सब की मदद करते हैं तथा केवल विश्वास एवं संपूर्ण निश्चय के साथ ही हम निश्चित जीवन जी सकते हैं।

मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली से पधारीं पुष्पा दीदी ने कहा कि आध्यात्मिक जीवन द्वारा ही आंतरिक शांति, शक्ति एवं अंर्तमन में निहित नैतिक मूल्यों को जीवन में अनुभव कर सकते हैं और एक आदर्श जीवन व्यतीत कर सकते हैं। ऑनलाइन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग द्वारा ब्रह्माकुमारी की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी जयंती दीदी ने कहा कि भारत का आध्यात्मिक ज्ञान एवं राजयोग की शिक्षा सारे विश्व को एक नई दिशा दिखाएगा। विश्व में एकता, आपसी सद्भाव एवं एक स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज के संकल्पना को साकार करेगा। आपने सबका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी एक पिता परमात्मा की संतान हैं और आपस में भाई-भाई हैं। इसी श्रेष्ठ भावना से यह विश्व पूरा स्वर्णिम बन सकता है। सुख शांति भवन की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी नीता दीदी ने सभी का स्वागत एवं सम्मान किया।

इस मौके पर भोपाल महापौर मालती राय, विधायक रामेश्वर शर्मा, विधानसभा के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह ने आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने ब्रह्माकुमारी बहनों को प्रतीकात्मक ज्ञान कलश अर्पण कर आध्यात्मिकता द्वारा स्वस्थ एवं स्वच्छ समाज अभियान का शुभारंभ किया। संचालन बीके रामकुमार ने किया।

रोजाना 300 से 400 लीटर तैयार किया जाता है हर्बल एनर्जी ड्रिंक

दादी रतनमोहिनी ने किया हर्बल डिपार्टमेंट का शुभारंभ

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मुख्यालय शांतिवन में मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने शिव संजीवनी हर्बल काढ़ा डिपार्टमेंट का शुभारंभ किया। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर और शिला पट्टिका का अनावरण कर हर्बल डिपार्टमेंट के नए भवन की नींव रखी और आशीर्वचन दिए।

इस मौके पर हर्बल डिपार्टमेंट के मार्गदर्शक वरिष्ठ राजयोगी सूरज भाई ने कहा कि आज दुनिया में जिस तेजी से बीमारियां बढ़ रही हैं ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए हमें फिर से प्रकृति की ओर लौटना पड़ेगा। हर्बल चाय, हर्बल काढ़ा और हर्बल जूस से अनेक तरह की बीमारियां ठीक होंगी। इसे पीने से शरीर में अनेक प्रकार के लाभ होते हैं। आज के समय में पेड़ पौधों की पत्तियां और फूल ही हैं जिनमें किसी तरह के रासायनिक केमिकल का उपयोग नहीं किया जाता है। तन को स्वस्थ रखने के लिए सभी हर्बल काढ़ा पीए और मन को स्वस्थ रखने के लिए काढ़ा पीए।

दादी की निज सचिव राजयोगिनी लीला दीदी ने कहा है बहुत खुशी की बात है कि अब शांतिवन में विधिवत हर्बल डिपार्टमेंट शुरू हुआ है। इससे सभी भाई बहनों को बहुत लाभ मिलेगा। आयुर्वेद तो हमारी प्राचीन पद्धति रही है अब फिर से उस तरफ लौटने और जानने का समय आ गया है। हम जितना प्राकृतिक चीजों का उपयोग करेंगे, जड़ी - बूटियों का उपयोग करेंगे उतना स्वस्थ रहेंगे।

बहुत छोटे स्तर पर रखी गई थी नींव

हर्बल डिपार्टमेंट की नींव रखने वाले बीके पानमल भाई ने कहा कि सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे संतु निरामया के पावन लक्ष्य के साथ हर्बल जूस और काढ़ा बनाने की नींव बहुत ही छोटे स्तर पर रखी गई थी। शुरू से मन में यही संकल्प था कि जो भी भाई बहिन परमात्मा के घर आएं तो सभी स्वस्थ और निरोगी रहें। जब लोग हर्बल काढ़ा पीकर अनेक तरह की बीमारियां से ठीक होते हैं तो मन को आत्मिक खुशी होती है। रोजाना 300 से 400 लीटर काढ़ा तैयार किया जाता है। अब तक पांच लाख से अधिक लोग इसका सेवन कर लाभ ले चुके हैं। इस मौके पर विशेष रूप से बीके शंकर भाई, बीके भगवान भाई, बीके आनंद भाई, बीके दीपक भाई, बीके बृज भाई, बीके महेश, बीके नोहर भाई सहित बड़ी संख्या में भाई-बहन मौजूद रहे।

अब तक पांच लाख से अधिक लोगों ने लिया लाभ

पेड़-पौधों की पत्तियों और फूलों से किया जाता है तैयार

10 से 15 तरह की पत्ती से होता है तैयार

आयुर्वेदाचार्य बीके राम शंकर भाई ने कहा कि रोजाना 10 से 15 तरह की पेड़ पौधों की पत्तियों और फूलों से हाइजीनिक तरीके से ये हर्बल पेय तैयार किया जाता है। इसे रातभर धीमी आंच पर पकाया जाता है। साथ ही इसमें जीरा, हल्दी, अदरक, दालचीनी, सौंफ, काली मिर्च, धनिया, गिलोय, पुदीना विशेष रूप से मिलाया जाता है। इसे रोजाना 100-150 एमएल सुबह शाम लिया जा सकता है।

घर पर ऐसे बना सकते हैं हर्बल जूस

एक व्यक्ति को काढ़ा बनाने के लिए तुलसी, अमरूद, जामुन, नीम, बेलपत्र, अनार, नींबू, कड़ी पत्ता मीठी नीम, आम, पीपल, इनमें से कोई सात तरह की पांच पांच पत्तियां और लेकर सौंफ, दालचीनी, काली मिर्च, अदरक, हल्दी मिक्सर में पीस ले। बड़ी पत्तियों वाले पेड़ की दो पत्ती ही ले। इसमें चुटकी भर काला या सेंधा नमक मिलाकर 200 एमएल हर्बल जूस सुबह खाली पेट लगातार 21 दिन पीने से हर तरह की बीमारी में लाभ होता है। इसके सेवन के एक घंटे बाद खा पी सकते हैं।

हर्बल काढ़ा बनाने और स्वास्थ्य संबंधी परामर्श के लिए संपर्क करें: बीके पानमल भाई, मो. 8619169901, आयुर्वेदाचार्य बीके राम शंकर भाई, मो. 6306498118

संपादकीय

अध्यात्म से ही विश्व को एक सूत्र में बांधा जा सकता है

कालचक्र के वर्तमान समय में विश्व में हो रही विनाशकारी घटनाओं से पूरे विश्व में डर और अशांति का माहौल देखने को मिल रहा है, जिससे विश्व की सभी आत्मायें शांति की तलाश में हैं। पर उन्हें क्षणिक शांति ही मिल पा रही है। अगर हमें वाकई में सच्ची शांति चाहिए तो हमें अध्यात्म की तरफ वापस लौटना होगा। अध्यात्म हमें हमारी आत्मा से जोड़ता है अर्थात यह अंतर्जगत की एक ऐसी यात्रा है जिसमें हम अपने मन और बुद्धि को अपनी आत्मा की तरफ मोड़कर परमपिता परमात्मा से जुड़ते हैं। शांति के सागर से असीम शांति की किरणें हमारी आत्मा में भरकर पूरे विश्व में शांति का प्रकम्पन फैलाते हैं। अंत में एक समय ऐसा आएगा जब हमारी चेतना का सम्पूर्ण विकास होगा। हमारे सारे विकार और वासनाएं समाप्त हो जाएंगी। ब्रह्माकुमारीज़ के साकार संस्थापक प्रजापिता ब्रह्मा बाबा का जीवन मिसाल है। जिनके शांति के संकल्प और मार्ग आज पूरे विश्व में लाखों लोगों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। इन लोगों ने अपने आचरण और व्यवहार से समाज में यह साबित कर दिखाया है कि यदि इंसान को सही ज्ञान, मार्गदर्शन मिले तो बदलाव संभव है। साथ ही अध्यात्म का ज्ञान और मेडिटेशन के बल पर ही विश्व को एक सूत्र में बांधा जा सकता है। जरूरत है तो हमें अपनी विचारधारा को वृहद करने की। समय की यही मांग है कि अब बदलाव की जरूरत है। सारे विश्व की निगाहें भारत की ओर हैं क्योंकि भारत में पुरातन संस्कृति अध्यात्म और योग हमें वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना सिखाती है। सर्व भवंतु सुखिनः की भावना और सोची वाली हमारी संस्कृति है।

बोध कथा/जीवन की सीख

संबंधों में अनासक्त भाव

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की बंगाली में लिखी एक कविता है सशिर। जो उनकी अंतिम कविता है। कहानी के मुताबिक एक पुरुष है और एक स्त्री है, दोनों का आपस में बहुत प्यार है। दोनों ही आपस में शादी करना चाहते हैं। स्त्री बहुत सुंदर-अमीर है। पुरुष गरीब है। युवक से स्त्री कहती है मैं तुमसे शादी करूंगी। वह कहता है हां हम दोनों शादी करेंगे। और वह कहती है कि शादी के बाद हम दोनों अलग-अलग रहेंगे। युवक कहता है अलग-अलग ये कैसी शादी है। तो फिर शादी ही क्यों कर रहे हो? वह कहती मेरी एक ही शर्त है शादी तो मैं तुमसे ही करूगीं। परंतु शादी के बाद तुम्हारे लिए मैं एक महल बनाऊंगी, महल उधर होगा और मैं इधर होउगीं।

बीच में झील। कभी मिल लिए तो मिल लिए, तुम उधर से आ रहे हो कभी मैं इधर से आ रही हूं। तुम इधर से नौका विहार, मैं उधर से नौका विहार, हाय हेलो। वो कहता है ऐसी कैसी शादी है ये? वो कहती है शादी करनी है तो ऐसी ही करूंगी। हां तुम चाहते हो किसी और से शादी करना तो कर लो। परंतु तुम्हारी याद में संपूर्ण जीवन भर अविवाहित रहूंगी और तुम्हारी याद में रहूंगी। वो मुश्किल में पड़ जाता है। वो कहता है ये कैसी शादी है? वो कहती है हम दो व्यक्ति हमारा जो आपसी प्यार है। वहां अगर हम शादी करके एक जगह नजदीक आ गए तो जो प्रेम है शायद उस प्रेम में वो फ्रेशनेश नहीं रह सकता है। उस प्रेम में घृणा उत्पन्न हो सकती है। झगड़ा हो सकता है इसलिए कि यह प्रेम ऐसा ही कायम रहे। इसलिए तुम उधर हम इधर। हम भी जहां हैं भले साथ में हैं परंतु वह उधर और हम इधर। इसका आध्यात्म के साधकों के लिए यही भाव है कि नष्टोमोहा रहने के लिए परमात्मा रूपी झील जरूरी है। चाहे कोई कितना भी अच्छा हो परंतु इमोशनल डिटैचमेंट, मेंटल डिटैचमेंट, बौद्धिक डिटैचमेंट होगी तो वह संबंध लंबा समय तक चलेगा। अगर अटैचमेंट आ गई तो पहले तो भगवान वहां से चला जाएगा क्योंकि मोह विकार की श्रेणी है। प्रेम दिव्यगुण है। अपने संबंधों को अनासक्त प्रेमपूर्ण करते चलना है। प्रेम क्या है और मोह क्या है इसके अंतर को जानना है।

सीख : हमने जीवन को साधना के मार्ग पर, पवित्र मार्ग पर ले जाने या चलने का निर्णय लिया है तो पूरी सिद्दत, समर्पण भाव, एकाग्रता और परमात्म प्यार में मगन होकर पूरी लगन के साथ उस मार्ग पर चलना चाहिए तभी मंजिल मिलती है। रास्ते में आने वाली बाधाएं तो हमारी परीक्षा के लिए आती हैं कि हम कितने योग्य हैं।

मेरी कलम से

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

यह एक संस्थान ही नहीं, बल्कि कलियुग से सतयुग की स्थापना का महान कार्य है

ब्रह्माकुमारीज़ नैतिक मूल्यों से लोगों को पथ प्रदर्शित कर रही है

भारतीय जीवन दर्शन का सार है वसुधैव कुटुम्बकम्। आज पूरा विश्व विभिन्न युद्धों से घिरा हुआ है और लोग वास्तव में तृतीय विश्व युद्ध होने की आशंका भी व्यक्त कर रहे हैं। ऐसे समय में हमारी संस्कृति और सनातन परंपरा में कहा गया है अयं निजः परोवेति गणना लघुचेतसाम् उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम् का संदेश विश्व की शांति की लिए है। केवल एक शांति का उपदेश नहीं है बल्कि वर्तमान समय और परिवेश में एक अनिवार्यता है। जिसे आज हम समझ जाएं तो बहुत अच्छा है। यदि नहीं समझे तो कल अवश्य समझना पड़ेगा। भाईचारे का संदेश आज भी उतना ही प्रासांगिक है जितना की पहले था। आज हम भागदौड़ की जिंदगी में सच्ची खुशी और आंतरिक शांति को भूल गए हैं। जैसे नई टेक्नोलॉजी हमें भौतिक सुख प्रदान करती है, वैसे ही आध्यात्मिकता हमें आंतरिक सुख प्रदान करती है। साथ ही शरीर, मन और आत्मा में संतुलन बनाने का काम करती है। वर्तमान में ब्रह्माकुमारीज़ संस्था नैतिक मूल्यों से लोगों को पथ प्रदर्शित कर रही है। पूरे विश्व के अंदर करोड़ों लोगों के जीवन में बदलाव

लाने का कार्य संस्थान द्वारा किया जा रहा है। आध्यात्मिक चिंतन से हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव आते हैं। इस बदलाव को मैंने अपने जीवन में स्वयं भी महसूस किया है। आध्यात्मिकता केवल जीवन की आवश्यकता नहीं है, बल्कि जीवन की अनिवार्यता है। ब्रह्माकुमारीज़ एक संस्थान ही नहीं है बल्कि यह कलियुग से सतयुग की स्थापना का एक महान कार्य है। भारत की भूमि से उपजा यह संस्थान विश्व के कोने-कोने में शांति और मानवता का संदेश देने का कार्य कर रहा है। अध्यात्म और मानवता के लिए कार्य कर रहा है। मैं आज यहां स्वच्छ और स्वस्थ समाज के निर्माण में आध्यात्मिकता की महत्वपूर्ण भूमिका को समझने के लिए आया हूं। मैं आप सभी लोगों के बीच जिज्ञासु बनकर आया हूं। यहां आने के बाद अपने भीतर विशेष प्रकार की आंतरिक शांति की अनुभूति हो रही है। करीब 15 साल से ब्रह्माकुमारीज़ के कार्यक्रमों में जाता रहा हूं। मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी से मुलाकात हुई, उनका आशीर्वाद मिला। खुद को बहुत धन्य महसूस कर रहा हूं।

वैचारिक उच्चता में श्रेष्टतम स्वरूप द्वारा रूपांतरित देवात्मा

जीवन का मनोविज्ञान भाग - 77

- डॉ. अजय शुक्ला, बिहेवियर साइंटिस्ट
गोल्ड मेडलिस्ट इंटरनेशतनल, ह्यूमन राइट्स मिलेनियम अवार्ड डायरेक्टर
(स्प्रीचुअल रिसर्च स्टडी एंड एजुकेशनल ट्रेनिंग सेंटर, बंजारी, देवास, मप्र)

जीवन में आत्मिक गुणों एवं शक्तियों के माध्यम से समृद्धशाली हो जाने की स्थितियां ही मंगलकारी स्वरुप को प्रतिपादित करती हैं जिसमें जीवन मूल्य की उच्चता के दर्शन, आत्म वैभव के रूप में सदा ही परिलक्षित होते रहते है जिससे आत्मिक शक्ति का व्यवहारिक स्वरूप में प्रस्फुटित होना सहजता से संपन्नता के परिवेश में गतिशील हो जाता है। आत्म चेतना सदा ही स्वयं के नैसर्गिक स्वभाव में स्थित रहती है जिसे धर्मगत व्यावहारिकता के द्वारा पुरुषार्थ की वैचारिक उच्चता के सामर्थ्य से देवात्मा की सम्पन्नता के रूप में रूपांतरित किया जाता है जिससे लोक कल्याणकारी अवस्था का पवित्र क्रियान्वयन संपूर्ण जगत के लिए मंगलकारी स्वरूप में परिणित हो जाए।

आध्यात्मिकता के विराट परिवेश में आत्मिक जगत की कल्याणकारी एवं हितकारी अवस्था के लिए जीवात्मा द्वारा आध्यात्मिक पुरुषार्थ की गहन स्थितियों से गुजरते हुए स्वयं को एक साधक की भांति सदा त्याग, तपस्या एवं सेवा , के सानिध्य में जीवन के अंत तक, पुरुषार्थ की पराकाष्ठा अर्थात निज स्वरूप को निजता के ही मानदंड पर स्थापित कर देना, इस बात का प्रमाण बन जाता है कि साध्य की प्राप्ति के लिए साधक द्वारा त्याग का भी त्यागकर दिया गया है और स्वयं को परमसत्ता के सम्मुख, संपूर्ण रूप से समर्पित करके आत्मिक उत्कृष्टता के उच्चतम आयाम को स्पर्श करते हुए , आत्मानंद की सहज प्राप्ति को इसी जीवन में सुनिश्चित कर लिया है।

धारणात्मक स्वरुप में अनुकरण और अनुसरण : भाव एवं विचार जगत का परिदृश्य

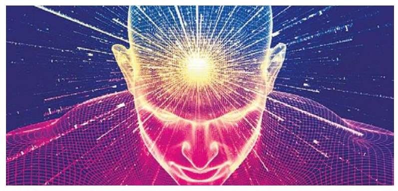

जब उच्चतम स्थितियों में स्थापित होकर श्रेष्ठतम स्वरूप को धारण कर लेता है तब जीवात्मा धन्यता से अभिभूत हो जाती है क्योंकि आत्मिक परिवेश दिव्य गुणों एवं शक्तियों से जीवन के व्यावहारिक क्रियान्वयन के अंतर्गत स्वयं को सदा गौरवान्वित अनुभव करने लगता है। मानव जीवन की पवित्रतम भावनात्मक पृष्ठभूमि के सानिध्य में वैचारिक समृद्धि के प्रति संपूर्ण मानव जाति सदा से ही आदर एवं सत्कार प्रदान करती रही है जिसमें संपूर्ण मानवीय विश्वसनीयता उस समय अभिवृद्धि को प्राप्त हो जाती है जब व्यक्ति का व्यक्तित्व मन, वचन एवं कर्म से भी पवित्रता को धारणात्मक स्वरुप में अनुकरण और अनुसरण कर लेता है।

जीवन के व्यवहार में आध्यात्मिक जीवन की व्यवहारिकता का प्रतिबिंब लौकिक, अलौकिक एवं पारलौकिक संबंधों के मध्य संतुलन स्थापित करने पर विशिष्ट रूप से बल देता है जिसके अंतर्गत जीवात्मा द्वारा परम सत्ता से जो सूक्ष्म , दिव्य गुणों एवं शक्तियों को ग्रहण किया जाता है वह अलौकिक जगत में सहजता से अभिव्यक्त हो जाता है तथा धीरे-धीरे लौकिक संबंधों में जीवन की उच्चता का परिवेश सरलता से जीवन के अति सूक्ष्म व्यवहार से प्रकट होता है जो सर्व आत्माओं को आत्मिक संतुष्टता प्रदान करने में मददगार सिद्ध हो जाता है।

साधक और साध्य के मध्य गतिशील साधनाः जीवात्मा सदा ही कल्याणकारी नित-नूतन स्वरुप द्वारा स्वयं के पुरुषार्थ में समाहित होकर गतिशील रहती है जिसमें आत्महित की नैतिकता को आचरण से उत्कृष्टता तक पहुँचाने का भगीरथ प्रयास सम्पूर्ण रूप में संपन्न होता है और सर्व मानव आत्माओं के कल्याण का मार्ग सदा के लिए प्रशस्त हो जाता है।

व्यावहारिक आचरण के आधारभूत जीवन मूल्य

सृष्टि में जीवात्मा को स्वयं के वास्तविक स्वरुप अर्थात् आत्मानुभूति होते ही संपूर्ण पुरुषार्थ द्वारा पवित्र क्रियान्वयन के श्रेष्ठतम परिणाम को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से चेतना द्वारा सहज ही मंगलकारी समृद्धि के परम सौभाग्यशाली स्वरुप में ग्रहण कर लिया जाता है और जीवन के पुरुषार्थ में अनुकरण एवं अनुसरण के सिद्धांतों का प्रयोग करते हुए व्यवहारिकता की कसौटी पर जीवन जीने का पुरुषार्थ आरंभ कर दिया जाता है । पुरुषार्थ के अनुक्रम में श्रेष्ठ , शुभ एवं पवित्र विचार के प्रति अत्यधिक संवेदनशील भावनात्मक दृष्टिकोण ही व्यक्ति को आंतरिक रूप से अभिप्रेरित करता है जिससे जीवन के प्रांगण में कर्मक्षेत्र के अंतर्गत पवित्र क्रियान्वयन की सुनिश्चितता निर्धारित हो जाती है तथा सुखद परिणाम से आत्मा नवीनतम कार्य के प्रति नैसर्गिक रूप से अभिप्रेरित होते हुए गतिशील बनी रहती है। आत्मिक शक्ति के त्रिविध स्वरुप अर्थात् मन, वचन एवं कर्म के मध्य श्रेष्ठ, श्रेष्ठता और श्रेष्ठतम का सह - सम्बन्ध ही उच्चतम व्यक्तित्व के निर्माण का द्योतक होता है जिसमें कर्मगत पवित्रता को व्यावहारिक आचरण के आधारभूत जीवन मूल्य के रूप में समादर भाव से स्वीकार कर किया जाता है और यही दिव्यता युक्त व्यवहार लोक मंगल के रूपांतरण हेतु प्रेरणात्मक स्वरूप में सर्व मानव आत्माओं द्वारा सहजता से स्वीकार कर लिया जाता है ।

इस मिट्टी में कुछ अनूठा है जो कई बाधाओं के बावजूद हमेशा महान आत्माओं का वास रहा है

- सरदार बल्लभ भाई पटेल

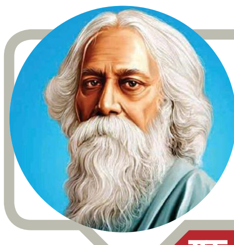

यदि आप सभी गलतियों के लिए दरवाजे बंद कर देंगे तो सच बाहर रह जाएगा

- गुरु रवींद्रनाथ टैगोर

मेडिकल विंग की ओर से चलाया जा रहा है देशव्यापी नशामुक्त भारत अभियान

मप्र-छग के दस हजार लोगों ने समाज से नशे को दूर करने का लिया संकल्प

शिव आमंत्रण, आबू रोड

ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल विंग की ओर से चलाए जा रहे देशव्यापी नशामुक्त भारत अभियान के तहत शांतिवन परिसर में संकल्प रैली निकाली गई। हाथों में तख्तियां लेकर ब्रह्माकुमार भाई-बहनों ने नारे लगाए कि हम संकल्प लेते हैं कि अपने घर के आसपास जो लोग भी नशा कर रहे हैं उन्हें इससे दूर करने में अपना पूरा योगदान देंगे। घर-परिवार के सदस्यों को नशे से दूर रहने की समझाइश देकर उन्हें राजयोग मेडिटेशन का संदेश देंगे। भारत देश से नशे की बुराइयों को जड़ से उखाड़ फेंक देंगे।

रैली के पूर्व आयोजित कार्यक्रम में मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल ने कहा कि एक वर्ष में नशामुक्त भारत अभियान के तहत 10768 कार्यक्रम देशभर में आयोजित किए गए हैं। यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इनसे 25 लाख लोगों को नशे के दुष्परिणाम बताते हुए उन्हें नशे से दूर रहने, नशे के सामाजिक, शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया गया है। उन्हें जीवन में सदा नशे से दूर रहने की समझाइश देते हुए करीब 20 लाख 63 हजार लोगों को मौके पर ही सदा नशामुक्त रहने और व्यसन से दूर रहने की प्रतिज्ञा और संकल्प कराया गया।

28 राज्यों के 345 जिलों में चलाया जा रहा है अभियान- उन्होंने बताया कि देश के 28 राज्यों के 345 जिलों में सभा, सम्मेलन, नुक्कड़ नाटक, संगोष्ठी, प्रदर्शनी, यात्रा के माध्यम से कार्यक्रम लोगों को नशामुक्ति का संदेश दिया गया। साथ ही देश के 7765 शहर व कस्बों को कवर करते हुए 3003 गांवों में भी आमजन, ग्रामीण और किसानों को राजयोग मेडिटेशन, आध्यात्मिक ज्ञान देते हुए नशे से दूर रहने के लिए जागरूक किया गया। देशभर में मेडिकल विंग से जुड़े हजारों ब्रह्माकुमार भाई-बहनें देशभर के 3486 स्कूल-कॉलेजों के 931601 विद्यार्थियों तक संदेश लेकर पहुंचे। जहां उन्हें खुद नशे से दूर रहने के साथ परिवार में अपने परिजन को भी नशे से दूर रहने के बारे में बताया गया।

तीन साल तक देशभर में चलाया जाएगा अभियान- बता दें कि भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग और ब्रह्माकुमारीज संस्थान के मेडिकल विंग के बीच तीन साल के लिए एमओयू साइन किया गया है। इसके तहत देशभर में राष्ट्रव्यापी अभियान चलाकर दस करोड़ लोगों को नशामुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान के तहत सेमिनार, मोटिवेशनल वर्कशॉप, रैली, प्रदर्शनी, नुक्कड़ नाटक के जरिए जागरूक किया जा रहा है। इसके अलावा मेडिकल विंग द्वारा 35 साल से नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। आज लाखों लोग नशामुक्त होकर अध्यात्मिक जीवनशैली के साथ जी रहे हैं।

काउंसलिंग भी कर रहे- नशे की गिरफ्त में फंसे लोगों की ब्रह्माकुमार भाई-बहनों द्वारा काउंसलिंग की जा रही है। राजयोग मेडिटेशन की विधि सिखाकर लोगों को आत्मबल बढ़ाने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। नशे कैसे व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर बनाकर सामाजिक ख्याति को खत्म कर देता है आदि बातों के जरिए लोगों को सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए मोटिवेट किया जा रहा है।

राजयोग मेडिटेशन से बढ़ेगी इच्छा शक्ति- दुनिया में कोई भी नया काम शुरू करने, बुरी आदत को छोड़ने और जीवन में अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी इच्छा शक्ति, आत्म बल, आत्म विश्वास का सबसे बड़ा योगदान होता है। जिन दिन आपने दिल से मन बना लिया कि मुझे तंबाकू छोड़ना है दुनिया की कोई ताकत नहीं जो आपको रोक सके। जरूरत है तो सिर्फ बुलंद इरादे और मजबूत इच्छा शक्ति की। इसमें राजयोग मेडिटेशन आपके लिए संजीबनी बूटी का काम कर सकता है।

सर्वोच्च सत्ता के ध्यान से जीवन में आती है सुख-शांति

शिव आमंत्रण, मॉस्को (रुस)। रुस के मॉस्को में सिल्वर वालंटियर्स सोसाइटी समारा द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारीज की ओर से बीके सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने मौजूद लोगों को राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया। कहा कि शाश्वत सर्वोच्च सत्ता के ध्यान से जीवन में शांति, प्रेम, खुशी, शक्ति की प्राप्ति होती है। इस दौरान लोगों ने कहा कि मुझे शांति और सुकून महसूस हुआ। मुझे यह विचार अच्छा लगा कि मैं एक आत्मा हूँ। मुझे एहसास हुआ कि मैं ईश्वर की संतान हूँ और मेरा स्वभाव पवित्रता है। इरकुत्स्क में ब्रह्माकुमारीज राजयोग केंद्र के बीके सदस्यों ने नागरिकों को शक्ति से कैसे भरें कार्यक्रम में इस बात पर विचार किया कि हमारे पास कौन सी आध्यात्मिक शक्तियाँ हैं, वे हमें आगे बढ़ने में कैसे मदद कर सकती हैं।

प्रधानमंत्री का कज़ान में किया स्वागत

शिव आमंत्रण, तातारस्तान/रुस।

भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए तातारस्तान गणराज्य (रूस) की राजधानी कज़ान पहुंचे। यहां से प्रधानमंत्री कॉर्स्टन होटल पहुंचे, जहां सैकड़ों भारतीय छात्रों और भारतीय समुदाय के सदस्यों के साथ-साथ भारतीय दूतावास, जवाहरलाल नेहरू सांस्कृतिक केंद्र के प्रतिनिधियों, व्यापारियों, कलाकारों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। ब्रह्माकुमारीज को भी भारतीय दूतावास से स्वागत समारोह में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण मिला था। इस दौरान बीके सुधा दीदी, विजय कुमार भाई, बीके साशा बहन, बीके मरीना बहन और सेंट पीटर्सबर्ग और कज़ान से ब्रह्माकुमारीज के सदस्यों का एक समूह पहुंचा। इस दौरान बीके सुधा दीदी ने टीवी पत्रकारों के सवालों के जवाब देते हुए कहा कि भारत की पुरातन संस्कृति अध्यात्म का महत्व आज पूरी दुनिया समझ रही है।

आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों और पेड़-पौधों का बताया महत्व

शिव आमंत्रण, सेंट डेनिस/पेरिस (फ्रांस)। सेंट डेनिस टाउन हॉल में 9वें विश्व आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में योग शिक्षिका और सितारे वादक तनुजा गोपाल द्वारा सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें लगभग 70 लोगों ने भाग लिया और राजयोग ध्यान का अभ्यास किया। योग शिक्षक निलामेगमे योगाचार्य द्वारा सभी प्रतिभागियों को पौधे वितरित किए गए। उन्होंने सभी को प्राकृतिक चिकित्सा और पेड़-पौधों के औषधीय महत्व के बारे में बताया। साथ ही उनका विभिन्न बीमारियों में कैसे उपयोग कर सकते हैं इसके बारे में जानकारी दी। रीयूनियन आइलैंड की बीके सेसिले भेन ने राजयोग मेडिटेशन के बारे में बताया।

चीन में मनाया गया आयुर्वेद दिवस

शिव आमंत्रण, गुआंगजौ, चीन।

ग्वांगझोउ स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास द्वारा आयुर्वेद दिवस पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारीज शेनजेन के आयुर्वेद केंद्र और विप्रो के स्टाफ ने भाग लिया। इस मौके पर ब्रह्माकुमारीज की चीन में निदेशिका बीके सपना दीदी ने माइंडफुलनेस और राजयोग ध्यान पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता बहुत जरूरी है। इस दौरान आयुर्वेद, योग और ध्यान के बारे में जागरूकता के लिए कई बूथ थे, जिनमें ब्रह्माकुमारियों को एक विशेष स्थान दिया गया था, जहां प्रदर्शनी लगाई। साथ ही यहां लोगों की काउंसलिंग कर राजयोग मेडिटेशन का महत्व बताया। कई लोगों ने राजयोग मेडिटेशन सीखने के लिए पंजीकरण कराया और ग्वांगझोउ में सेवाकेंद्र पर आयोजित दिवाली मिलन समारोह में भी शामिल हुए। भारत के महावाणिज्यदूत शंभू एल. हक्की ने समाज में मूल्यों के संदेश को फैलाने के लिए ब्रह्माकुमारीज के प्रयासों की सराहना की और बीके सपना दीदी को प्रशंसा पत्र प्रदान किया।

ऑल इंडिया बैंक संघकर्मियों के लिए तीन दिवसीय सेमिनार आयोजित

जीवन का प्रबंधन ही व्यवस्थाओं का प्रबंधन है: मोहिनी दीदी

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

चाहे बैंक हो या घर या खुद के जीवन का प्रबन्धन। सभी जगहों के लिए आत्म केन्द्रित होना जरूरी है। इसके लिए राजयोग का अभ्यास जरूरी है। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज संस्थान की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके मोहिनी दीदी ने व्यक्त किए। वे मानसरोवर में आयोजित अखिल भारतीय बैंक संघ के अधिकारियों को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्यक्षेत्र पर रहें उसका सही तरीके से प्रबन्धन हो। व्यस्तता में भी खुद को सहज रखना जरूरी है। इसके लिए राजयोग ध्यान एक श्रेष्ठ विधि है। महासचिव बीके बृजमोहन भाई ने कहा कि जब हम अपने संकल्पों पर नियंत्रण रखते हैं तो उससे हमें अपने ऊपर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। हमारी सोच ही हमारे कर्मों का आधार होती है। इसलिए हर कर्म परमात्मा की याद में करने से श्रेष्ठ कर्म हो जाते हैं। प्रबन्धन कमेटी के सदस्य बीके गोकुल ने कहा कि जब हमारे जीवन में मूल्यों का प्रमुख स्थान होता है तो वह जीवन महान बन जाता है। कार्यक्रम में आल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के उपाध्यक्ष अनिल कुमार ने कहा कि ऐसे स्थान पर आकर ऐसे लगता है कि यही असली जीवन है। इसलिए हम चाहते हैं कि बार-बार यहां आने को मिले। इस दौरान एकाउंट विभाग की बीके मिली, बीके अदिति, बीके रुचिका, बीके रश्मि समेत कई लोग उपस्थित थे।

खुशियों का पासवर्ड आपके हाथ...

शिव आमंत्रण, हाथरस, उप्र

ब्रह्माकुमारीज के आनंदपुरी कालोनी सेवाकेंद्र द्वारा शहरवासियों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी ने खुशियों का पासवर्ड आपके हाथ विषय पर संबोधित करते हुए सफलता, मैनेजमेंट, सेल्फ मैनेजमेंट, लाइफ मैनेजमेंट के सूत्र बताए। साथ ही सभी को रुटीन में मेडिटेशन करने की सलाह दी। कार्यक्रम बीके शान्ता दीदी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस मौके पर विधायक अंजुला माहौर, नपा अध्यक्ष श्वेता चौधरी, पूर्व सांसद राजेश दिवाकर, बीके प्रेमलता दीदी, बीके सीता दीदी, बीके हेमलता दीदी, ग्रुप कैप्टन डॉ. जयवीर सिंह, डॉ. भरत यादव, प्रेम सिंह यादव, एड अधिष्ठात्री पवित्रा शर्मा, एएसपी अशोक कुमार, सीओ सिटी योगेन्द्र नारायण कृष्ण, सीओ फायर राजकुमार वाजपेई, उपजिलाधिकारी नीरज शर्मा सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे। संचालन अलवर की बीके अनुभा बहिन ने किया। बीके कोमल बहिन, बीके दुर्गेश बहिन, बीके श्वेता बहिन, बीके वन्दना व अन्य बहनें मौजूद रहीं।

सृष्टि रूपी नाटक एक्यूरेट, फिक्स, न्यायकारी और कल्याणकारी है

भिलाई, छत्तीसगढ़। शिव अर्थात सदा कल्याणकारी इस शब्द से ब्रह्मांड की सारी पॉजिटिविटी को अपने जीवन में धारण करें। उक्त उद्गार माउंट आबू से आए सीए ब्रह्माकुमार ललित भाई ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि सृष्टि रूपी बेहद (ड्रामा) नाटक एक्यूरेट फिक्स, न्यायकारी और कल्याणकारी है। इस स्मृति से जीवन में सदा मुस्कुराते रहेंगे। जीवन में सदा खुश और चेहरे पर मुस्कराहट के लिए आपने कहा कि यह सृष्टि रूपी नाटक एक्यूरेट, फिक्स, न्यायकारी और कल्याणकारी है। सेवाकेंद्रो की निदेशिका बीके आशा दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

सकारात्मक चिंतन के साथ खेती करें

शिव आमंत्रण, संबलपुर, उड़ीसा

ब्रह्माकुमारीज सम्बलपुर सबज़ोन द्वारा पावन सरोवर में भारत कृषि दर्शन एवं सम्पूर्ण ग्राम विकास के संदर्भ में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में माउंट आबू से पधारे कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग के उपाधक्ष राजयोगी बीके राजू भाई ने कहा कि किसान 140 करोड़ लोगों को खाना खिलाता है इसलिए जय जवान-जय किसान का गायन है। उन्होंने किसानों को सकारात्मक चिंतन और जैविक-यौगिक खेती को महत्व देकर, उन्हें अपनाने के लिए प्रेरणा दी।

सबज़ोन की निदेशिका बीके पार्वती दीदी ने कहा कि रासायनिक खाद और कीटनाशक खाद्य पदार्थों को दूषित करता है और शरीर को नुकसान पहुंचाता है। इसके बदले जैविक खाद और शुद्ध वाइब्रेशन से कृषि उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। ओडिशा कृषि विश्वविद्यालय, चिपलीमा के डीन कैलाश चंद्र सामल, जिला परिषद की अध्यक्षा कुमुदिनी नायक, कुचींडा के पूर्व विधायक बृंदावन माझी सहित 500 से अधिक कृषक भाई-बहन उपस्थित रहे। बीके दीपा बहन ने गीत प्रस्तुत किया। बरगढ़ के कृषक बीके श्यामघन ने बताया कि वे 12 साल से जैविक और यौगिक कृषि कर रहे हैं। साथ ही आर्गेनिक बाजार भी बनाया है।

भोपाल ज़ोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके अवधेश दीदी का किया तुलादान, गरीबों को किया दान

ब्लेसिंग हाउस का द्वितीय वार्षिकोत्सव मनाया

शिव आमंत्रण, भोपाल, मप्र

ब्रह्माकुमारीज़ ब्लेसिंग हाउस का द्वितीय वार्षिकोत्सव भोपाल जोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके अवधेश दीदी के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया। बीके डॉ. रावेन्द्र ने ब्लेसिंग हाउस के वार्षिकोत्सव एवं अवधेश दीदी के सम्मान में स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। मंडीदीप प्रभारी मंजू दीदी, बेगमगंज प्रभारी पिंकी दीदी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। राम भाई ने कविता प्रस्तुत की। सतीश भाई एवं गौतम भाई ने गीत प्रस्तुत किया। कुमारी आराधना व कुमारी श्री ने सुंदर डांस प्रस्तुत किया। ब्लेसिंग हाउस प्रभारी बीके डॉ. रीना दीदी ने सभी का आभार माना।

विधानसभा अध्यक्ष से सविता दीदी ने की मुलाकात

रायपुर, छत्तीसगढ़ | विधानसभा के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमनसिंह से संचालिका बीके सविता दीदी ने मुलाकात कर शॉल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ भेंट किया। साथ ही नवा रायपुर में नवनिर्मित एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड-शान्ति शिखर भवन का अवलोकन करने के लिए आमंत्रित किया। बीके अदिति दीदी, बीके स्मृति दीदी, बीके महेश भाई उपस्थित थे।

नशामुक्त भारत अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ

गुमला (झारखंड) | ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र द्वारा जिला स्तरीय नशा मुक्त भारत अभियान चलाया जा रहा है। इस जिला स्तरीय शुभारंभ गुमला सेवाकेंद्र पर एसडीपीओ सुरेश प्रसाद, मेडिकल विंग के सचिव डॉक्टर बनारसी भाई, बीके शांति बहन, डॉ. नीलम सिन्हा, जिला उपभोक्ता फोरम अध्यक्ष ओम प्रकाश पांडे, प्रोफेसर अनुभव चक्रवर्ती, डॉ. हेमंत, डॉक्टर कृष्ण एवं प्राचार्य संदीप भाई ने किया। साथ ही उपस्थित लोगों को नशामुक्ति का संकल्प कराया।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष से की मुलाकात

करनाल, हरियाणा| करनाल सेवाकेंद्र सेक्टर-7 की संचालिका बीके प्रेम दीदी ने हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण से मुलाकात कर संस्था द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में बताया। इस मौके पर बीके शिविका बहन, कैप्टन आरके राना, धर्म सिंह भाटी मौजूद रहे।

मन को स्वच्छ, पवित्र व निर्मल बनाएं : डॉ.मोहित गुप्ता

शिव आमंत्रण, बीकानेर (राजस्थान)। ब्रह्माकुमारीज़ के सार्दुलगंज सेवाकेंद्र पर सुखी जीवन का रहस्य विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें शहर के 400 से अधिक प्रबुद्धजनों, चिकित्सकों ने भागीदारी निभाई। मुख्य वक्ता जीबी पंत अस्पताल दिल्ली के सुप्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो. डॉ. मोहित गुप्ता ने सुखी जीवन जीने के अनेक सूत्र बताएं। उन्होंने कहा कि घर की तरह मन को भी स्वच्छ करें। मन को स्वच्छ, पवित्र व निर्मल बनाने से संकल्प पवित्र होते हैं। हम ईश्वर के साथ आसानी से जुड़कर उनसे शक्तियां प्राप्त कर सकते हैं। स्वच्छ मन रखने से रिश्तों में मधुरता आती है, रिश्ते सुन्दर हो जाते हैं। रिश्ते सुन्दर बनाना आध्यात्मिकता की पराकाष्ठा है। अहम् का दूसरा नाम ही क्रोध है। कि ईर्ष्या, घृणा, आलोचना, अपेक्षा, शिकायत, नकारात्मक विचार हमें हमेशा घेरे रहते हैं। इनको सकारात्मक सोच के साथ दूर करने का प्रयास करना चाहिए। संभाग प्रभारी बीके कमल बहन ने भी संबोधित किया।

हम जैसा सोचते हैं, वैसे ही बन जाते हैं

शिव आमंत्रण, नासिक, महाराष्ट्र

शांति का आधार हमारे शुद्ध संकल्प हैं, जैसा हम सोचते हैं, वैसा ही हम बन जाते हैं, ब्रह्माकुमारी संस्था यह भी सिखाती है कि यदि हमारे विचार बदल जाएंगे, तो पूरा विश्व ही बदल जाएगा, यदि हमारे कर्म श्रेष्ठ हो जाएंगे, तो हमारे संस्कार भी श्रेष्ठ हो जाएगे, संस्कार श्रेष्ठ हो जाते हैं तो हमारे चारों ओर का संसार श्रेष्ठ हो जाता है। यह उद्गार ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका ब्रह्माकुमारी संतोष दादीजी ने कस्बे वणी क्षेत्र में ब्रह्माकुमारी संस्था के नवनिर्मित शांतिकुंज सेवाकेंद्र के उद्घाटन अवसर पर व्यक्त किये।
जिला सेवाकेंद्र प्रभारी बीके वासंती दीदी, उप सरपंच विलास कद, जिला वारकरी संप्रदाय के अध्यक्ष रायते महाराज, डॉ. अनिल पवार, बिल्डर आनंद सिसौदिया, माउंट आबू से आए बीके नितिन भाई, नासिक रोड की बीके शक्ति दीदी, बीके माधव भाई, पीलीबंगा राजस्थान की बीके रानी दीदी सहित अन्य गणमान्य लोगों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। बीके संतोष दादी एवं उपस्थित अतिथियों ने शिव ध्वज फहराकर एवं फीता काटकर सेवा केंद्र का उद्घाटन किया। संचालन बीके नरेंद्र भाई ने किया। स्वागत बीके अनिता दीदी ने किया।

जापानियों को योग सीखना होता है तो भारवासियों से करते हैं संपर्क : बीके रजनी दीदी

दुर्ग, छग। ब्रह्माकुमारीज़ के आनंद सरोवर बघेरा में जापान और फिलिपींस की निर्देशिका बीके रजनी दीदी के पधारने पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें उन्होंने कहा कि जापान में भारत के प्राचीन योग का अत्यंत ही महत्व है। उनकी एक खास विशेषता है उन्हें योग सीखना हो तो भारतवासी से सीखना चाहते हैं और अंग्रेजी सीखना हो तो अंग्रेजों से सीखना चाहते हैं। जापानी भाई-बहनों में ईमानदारी ,नम्रता और आदर का भाव बहुत ही देखने को मिलता है। संचालिका बीके रीटा बहन ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। संचालन बीके रुपाली बहन ने किया।

सकारात्मकता की शक्ति जीवन को बदल सकती है: डॉ. स्वामीनाथन

शिव आमंत्रण, कुरुक्षेत्र, हरियाणा

कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट की ओर से सिनेट हॉल में हैप्पी एटीट्यूट एंड कैरियर प्लानिंग विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से मुख्य वक्ता बीके डॉ. स्वामीनाथन ने सकारात्मकता की शक्ति कैसे जीवन को बदल सकती है इस बारे में गहराई से बताया। इस दौरान बीके मधु बहन, बीके अमित वर्मा ने राजयोग का अभ्यास करवाया। अध्यक्ष प्रो. निर्मला चौधरी ने आत्मा, मन और शरीर के लिए एक खुश दृष्टिकोण के महत्व पर जोर दिया।

रुस में लोग माइनस तापमान में भी ध्यान करने आते हैं

शिव आमंत्रण, ग्वालियर, मप्र। ब्रह्माकुमारीज के बरेठा रोड, मालनपुर स्थित गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर में रसिया से पधारीं राजयोगिनी बीके संतोष दीदी ने नशा मुक्ति अभियान हेतु बनाए गए रथ का उद्घाटन किया एवं हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ नशा मुक्ति के लिए लोगों को प्रेरित करेगा। इस दौरान उन्होंने कहा कि ब्रह्मा बाबा ने भारतीय संस्कृति और अध्यात्म का संदेश देने के लिए अविभाजित रूस में सेवा के लिए भेजा था। वहां जाकर रूस की संस्कृति और सभ्यता को समझा और भाषा का भेद होते हुए भी रूस के लोगों ने भी भावना और भाव को प्रधानता दी और आध्यात्मिक ज्ञान के नियमित विद्यार्थी बने। रूस में माइनस तापमान होने के बावजूद भी वहां आध्यात्मिक ज्ञान समझने के लिए नियमित मेडिटेशन और आध्यात्मिक क्लास में लोग धीरे-धीरे आने लगे। रूस के लोगों ने हिंदी में गीत गाना भी सीखा और प्रतिवर्ष भारत में मुख्यालय माउंट आबू में स्वयं को आध्यात्मिक ऊर्जा से चार्ज करने के लिए आते हैं। इस मौके पर छतरपुर से बीके शैलजा दीदी, सीहोर से बीके पंचशीला दीदी, बीना से बीके सरोज दीदी, बीके रानी दीदी, बीके सुनीता दीदी, बीके विद्या दीदी, बीके रेखा दीदी, बीके सीता दीदी, बीके सरिता दीदी, बीके आदर्श दीदी, बीके महेश भाई, बीके दीपेंद्र भाई, बीके प्रहलाद भाई व अन्य भाई-बहनें उपस्थित थे।

दिल्ली। पाण्डव भवन, करोल बाग में सनातन धर्म लीला समिति करोल बाग की ओर से, राजयोगिनी बीके पुष्पा दीदी को मोमेंटो भेंट कर समिति अध्यक्ष अशोक कपूर, भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के संयोजक अक्षय कपूर, महामंत्री मालती वर्मा ने सम्मानित किया।

आबू रोड। इंडिया की पहली और इकलौती मिसेज वर्ल्ड-2001 इंडियन एक्ट्रेस, मॉडल और फ़िज़िशियन आदित्य गोवित्रिकर ने शांतिवन में संस्था की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतन मोहिनी से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया। इस दौरान दादीजी ने ईश्वरीय परमात्मा शिव का स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। साथ में बीके डॉ. दीपक हरके भी मौजूद रहे।

कादमा (हरियाणा)। आध्यात्मिकता मानवीय मूल्यों का पाठ पढ़ाती है। ब्रह्माकुमारीज़ अध्यात्म और मेडिटेशन द्वारा समाज के नवनिर्माण का कार्य कर रहा है। यह उद्गार कादमा शाखा में पहुंचे बाढ़डा के नव निर्वाचित विधायक उमेद पातुवास ने व्यक्त किए। उन्होंने ध्यान कक्ष में बैठ शांति की अनुभूति भी की। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके वसुधा बहन ने ईश्वरीय सौगात स्मृति चिन्ह और पटका पहनाकर विधायक पातुवास का सम्मान किया।

राजनांदगांव, छग। लायंस क्लब गरबा उत्सव समिति द्वारा नवरात्रि पर बीके पुष्पा बहन को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही बीके कुंती बहन, बीके चंद्रकली बहन एवं बीके चेतराम भाई को भी स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर गरबा उत्सव समिति के सदस्यगण, डॉक्टर पुखराज बाफना एवं राजा माखीजा आदि उपस्थित रहे।

बैतूल, मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ भाग्य विधाता भवन में दीपावली स्नेह मिलन समारोह एवं प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के सदस्यों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें सारणी सेवा केंद्र की बीके सुनीता दीदी ने कहा कि जब हम अपने जीवन में अच्छी सोच और अच्छे विचारों को महत्व देंगे तभी हम सच्ची दिवाली मना सकते हैं। सेवाकेंद्र प्रभारी बीके मंजू दीदी कहा कि जीवन को खुशहाल बनाने और संतुलित रुप से चलाने के लिए परम शक्ति परमात्मा को साथी बनना अत्यंत आवश्यक है। बीके मालती दीदी, बीके सविता बहन, प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रामचरण साहू, बीके नंदकिशोर, बीके तरुण भी मौजूद रहे।

छतरपुर सेवाकेंद्र पर धूमधाम से मनाया गया दीपोत्सव, श्रीमहालक्ष्मी की सुंदर झांकी सजाई

परम ज्योति से आत्म ज्योति जगाने का पर्व है दीवाली

शिव आमंत्रण, छतरपुर, मप्र

वास्तव में दीपक तो जलाना है लेकिन आत्म दीपक जगाना है। जैसे ही हमारे अंदर की काली अमावस्या की रात पूरी होती है, अज्ञानता का अंधकार खत्म हो ज्ञान का प्रकाश आता है तो ईश्वरीय ज्ञान हमें रिलाइज कराता है कि सारे दैवी गुण, शक्तियां हमारे अंदर निजी संपत्ति और मूल संस्कारों के रूप में हमारे अंदर समाहित हैं। केवल हम सो रहे थे अर्थात देह अभिमान में आ गए थे। अपने आत्म स्वरूप को भूल गए तो हमारे अंदर वो दैवी लक्षण कमजोर हो गए। अब इस कमजोरी को समाप्त करने के लिए हमें आत्मदीप जगाना है और फिर सच्ची दिवाली मनाना है। परम ज्योति के ज्ञान प्रकाश से ही आत्म ज्योति जागृत होगी और दिव्य गुणों से संपन्न श्री लक्ष्मी के लक्षण संपन्न स्वर्णिम दुनिया आएगी, तब घर-घर खुशियों की दिवाली होगी। इस दीपावली अपने घर में नए सामान के साथ नए संस्कारों का सृजन करते हुए मनायें।

उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ किशोर सागर में आयोजित दीपावली समारोह में सेवाकेंद्र प्रभारी बीके शैलजा दीदी ने व्यक्त किए। इस अवसर पर श्रीगणेश श्री लक्ष्मी, श्रीसरस्वतीजी की चैतन्य झांकी लगाई गई। कु.अदिति, कु. गौरी द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल सहायक कुल सचिव अमन अग्रवाल, पन्ना ट्रेजरी ऑफिसर गौरव गुप्ता, सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे, भारतीय जीवन बीमा निगम प्रशासनिक सहायक अर्पण अग्रवाल, डॉ. खुराना, पत्रकार सुरेंद्र अग्रवाल, रिटा. होम कमांडेंट करण सिंह, जेलर राम शिरोमणि पांडे मुन्नीलाल ठेकेदार, शंकर लाल सोनी सहित सभी ब्रह्माकुमारी बहनें मौजूद रहीं।

जीवन में शुभ संकल्पों के दीप जलाने का किया संकल्प

सोनीपत, हरियाणा। ब्रह्माकुमारी के सोनीपत रिट्रीट सेंटर में दीपावली कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। रिट्रीट सेंटर की निदेशिका बीके लक्ष्मी दीदी, चंडीगढ़ सेक्टर 15 एवं पंचकूला की सेवाओं की संचालिका बीके अनीता दीदी के सानिध्य में कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसमें गीता पाठशालाओं से आए भाई-बहनों ने भाग लिया। बच्चों ने नृत्य के माध्यम से आने वाली नई दुनिया का दिव्य दर्शन कराया, जिससे सबका मन भाव विभोर हो गया। अंत में दीप प्रज्वलन किया गया, जिसमें में सभी ने अपने जीवन में शुभ संकल्पों के दीप जलाने का दृढ़ संकल्प किया।

नीमच के पावन धाम परिसर में दीपावली महोत्सव में सैकड़ों ब्रह्मा वत्सों ने लिया भाग

सत्य गीता ज्ञान से ही होगी आत्म शुद्धि

शिव आमंत्रण, नीमच, मप्र

इस नश्वर संसार की दो चैतन्य शक्तियां आत्मा और परमात्मा का जब राजयोग ध्यान के माध्यम से मधुर मिलन होता है तो प्रत्येक मनुष्यात्मा की सुप्त शक्तियां जागृत हो जाती हैं और आत्मा रूपी दीपक रोशन होकर सुख, शांति, प्रेम व आनन्द की गहन अनुभूति करता है। उक्त उद्गार बीके सविता दीदी ने पावन धाम परिसर में आयोजित दीपावली महोत्सव में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि कि दीपावली पर जन-जन अपने घर, दुकान और ऑफिस की साफ-सफाई तो करता है किन्तु अपने अर्न्तमन में व्याप्त अज्ञान अंधकार और विकारों रूपी गंदगी की स्वच्छता एवं पवित्रता पर ध्यान नहीं देता। आत्म शुद्धि के लिए सत्य गीता ज्ञान एवं राजयोग की शिक्षा का अभ्यास निरंतर अनिवार्य है जिससे सुख, शांति और संपन्नता रूपी लक्ष्मी सदैव प्रसन्न रहती है।

सबजोन के निदेशक बी.के.सुरेन्द्र भाई ने कहा कि दीपावली रोशनी का पर्व है, किन्तु केवल स्थूल दीपक प्रज्जवलित करने अथवा लाईटिंग कर लेने से ही आत्मा रूपी दीपक का अंधकार नहीं मिटता। महादीपराज परमात्मा शिव से आत्मा का संबंध स्थापित करने से अज्ञान रूपी अंधकार का नाश होता है और ज्ञान की ज्योति से सारा जीवन जगमग हो जाता है। इस मौके पर बी.के. श्रुति बहन, बीके लता बहन, बीके दिव्या बहन, बीके योगिता बहन, बीके मेघना बहन, बीके विशाखा बहन, बीके कृति बहन, बीके प्रियंका बहन, बीके प्राची बहन, बीके अदिति चेलावत सहित सैकड़ों ब्रह्मा वत्स मौजूद रहे।

खंडवा भाग्योदय भवन सेवाकेंद्र पर दीपोत्सव मनाया

खंडवा। ब्रह्माकुमारीज़ के भाग्योदय भवन सेवाकेंद्र पर दीपोत्सव मनाया गया। इसमें बीके शक्ति दीदी ने दीपावली का आध्यात्मिक महत्व बताया। प्रथम बार दीपोत्सव पर खंडवा जिला सेवाकेंद्र से जुड़े हरसूद, ओंकारेश्वर, पंधाना, मूंदी, पुनासा, देशगांव आदि सेवाकेंद्रों की 24 ब्रह्माकुमारी बहनें उपस्थित हुईं। मुख्य रुप से बीके संतोष दीदी, बीके श्यामा दीदी, बीके सुरेखा दीदी, बीके सुशीला दीदी, बीके पिंकी दीदी मौजूद रहीं।

श्रीमहालक्ष्मी और श्रीगणेश की सुंदर झांकी सजाई

गया (बिहार)। ब्रह्माकुमारीज़ सिविल लाइंस विक्टर एक्स रे गली सेवाकेंद्र पर दीपावली कार्यक्रम मनाया गया। इस मौके पर संचालिका बीके शीला दीदी, व्यापारी प्रदीप जैन, ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर धर्म साही ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान माता महालक्ष्मी और श्रीगणेश की सुंदर झांकी भी सजाई गई। साथ ही सभी को दीपोत्सव का आध्यात्मिक महत्व बताते हुए मेडिटेशन कराया।

परमात्मा से कनेक्शन जोड़ जीवन को सफल बना सकते हैं

अंबिकापुर, छग। सेवाकेन्द्र संचालिका बीके विद्या दीदी के निर्देशन में सेवाकेंद्र पर दीपोत्सव कार्यक्रम मनाया गया।इसमें मेजर अनिल सिंह ने कहा कि हम सब इस पृथ्वी पर विशेष प्रयोजन से ही आए हुए हैं। हम सब पवित्र आत्माएं परमात्मा से कनेक्शन जोड़ जीवन को सफल बना सकते हैं। दीपावली आत्मा रुपी दीपक को जगाने का त्यौहार है। डॉ. अरविन्द भाई ने कहा कि यह पर्व उमंग -उत्साह का त्यौहार है।

मधुबन में गहन शान्ति-संतुष्टि का गहन अनुभव होता है

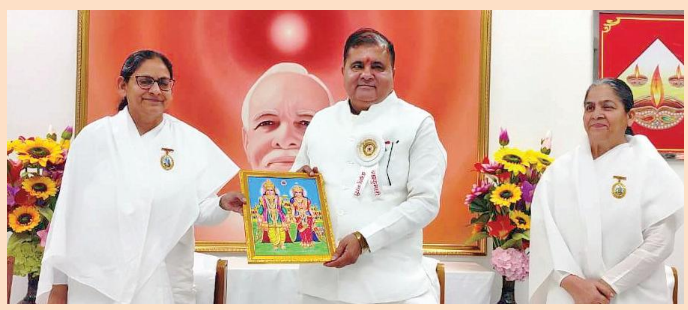

देहरादून, उत्तराखंड। सेवाकेंद्र पर पधारे महेंद्र भट्ट (राज्यसभा सांसद, उत्तराखण्ड तथा प्रदेश अध्यक्ष भाजपा) ने कहा कि मधुबन मुख्यालय एक ऐसा धाम है जहां जाकर मन की शान्ति का, संतुष्टी का गहन अनुभव होता है। रोटी, कपड़ा और मकान केवल इसी से मनुष्य संतुष्ट हो जाता तो ब्रह्माकुमारीज़ जैसे आध्यात्मिक संस्थानों को आत्म संतुष्टि के लिए इतने प्रयास ना करने पड़ते। ये सुख-सुविधाएं केवल तन के सुख के पर्याय हैं। मनुष्य को सुखी रहने के लिए तन के सुख के साथ बुद्धि का सुख और मन का सुख और आत्मा का सुख भी चाहिए जो ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा दी गई शिक्षा व आचरण से प्राप्त होता है। देहरादून सर्किल प्रभारी बीके मंजू बहन, हरिद्वार सेवाकेंद्र संचालिका बीके मीना बहन ने दीपावली का आध्यात्मिक रहस्य बताया।

बाहर की तरह अंतर्मन की सफाई भी जरूरी हैं

शिव आमंत्रण, रायपुर (छत्तीसगढ़)

ब्रह्माकुमारीज़ के नवा रायपुर सेक्टर-20 स्थित एकेडमी फॉर ए पीसफुल वर्ल्ड शान्ति शिखर में दीपावली मिलन कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया। समारोह में रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी, किरण दीदी, रश्मि दीदी और भावना दीदी सहित रायपुर की 36 ब्रह्माकुमारी बहनों ने दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ किया। रायपुर संचालिका बीके सविता दीदी ने कहा कि दीपावली त्यौहार में हम सब जिस प्रकार घर की सफाई का ध्यान रखते हैं, उसी प्रकार अन्तर्मन की सफाई भी जरूरी है। बाहर के अन्धकार को तो मिट्टी के दीपक जलाकर दूर कर सकते हैं किन्तु अन्तर्मन में छाए हुए अन्धकार को दूर करने के लिए हमें सभी के लिए शुभसंकल्पों के दीप जलाने होंगे।

उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि आओ हम सभी सत्य परमात्मा से सत्य ज्ञान लेकर अपने जीवन को पावन बनाएं। अपनी आत्म ज्योति जगाकर ईश्वरीय मिलन का वास्तविक सुख प्राप्त करें। ऐसे मनोपरिवर्तन से ही पृथ्वी पर स्वर्ग आएगा, जहां श्रीलक्ष्मी और श्रीनारायण का राज्य होगा। आत्मा ही सच्चा दीपक है। विकारों के वशीभूत हो जाने के कारण आत्मा की चमक आज मलीन हो गई है। लोगों का अन्तर्मन काम, क्रोध आदि विकारों के अधीन हो चुका है। ऐसे विकारी मनुष्यों के बीच श्री लक्ष्मी का शुभागमन भला कैसे हो सकता है? यह कैसी विडम्बना है कि अन्तर्मन की सफाई करने की जगह हम लोग घर की सफाई करके ही खुश हो जाते हैं।

शिव आमंत्रण, करनाल, हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के सेक्टर-7 सेवाकेंद्र में दीपावली पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। पानीपत सर्कल इंचार्ज राजयोगिनी सरला दीदी ने कहा कि हमें पवित्रता, मधुरता, धैर्यता, सहनशीलता आदि गुणों को धारण कर गुणवान बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि धन दौलत, परिवार सब यहीं रह जाएगा हमारे साथ जाएंगे हमारे कर्म और हमारा व्यवहार। आर्ट एंड कल्चर विंग की नेशनल कोर्डिनेटर व सेक्टर सात सेवाकेंद्र की संचालिका बीके प्रेम दीदी ने कहा कि घरों की सफाई के साथ-साथ हमें अपने मन बुद्धि की सफाई करना बहुत जरूरी है, नहीं तो व्यर्थ संकल्पों के जाले व डस्ट मन में टेंशन पैदा करेंगे। इस दिन दीपक जगाना आत्म स्मृति व जागृति का प्रतीक है। राजयोगी भारत भूषण भाई ने भी संबोधित किया।

घुवारा : अन्नकूट महोत्सव पर श्रीकृष्ण और श्रीमहालक्ष्मी की चैतन्य झांकी सजाई

शिव आमंत्रण , घुवारा, छतरपुर (मप्र) | घुवारा सेवाकेंद्र द्वारा अन्नकूट महोत्सव के उपलक्ष्य में गोवर्धन पर्वत को अंगुली पर उठाए हुए श्री कृष्ण और श्री महालक्ष्मी की चैतन्य झांकी सजाई गई। इसमें छतरपुर से पधारीं बीके रमा दीदी ने कहा कि यह पर्व हमें पर्वतों को बचाने और गौ संरक्षण का संदेश देता है। बीके कल्पना दीदी ने कहा कि बैर, घृणा, की जाले साफ करके प्रेम और शुभकामना के दीए जलाएं। साथ ही सभी को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया।

दयानंद वैदिक विद्यालय ग्राउंड मुलुंड में आयोजन

पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति से मोहा सभी का मन

शिव आमंत्रण, मुलुंड, मुंबई

ब्रह्माकुमारीज़ के मुलुंड सबजोन द्वारा दीपावली समारोह दयानंद वैदिक विद्यालय ग्राउंड मुलुंड में धूमधाम से मनाया गया। इसमें डॉ. मोनिशा रावत ने बिना दवाइयों के बीमारी से मुक्ति पर व्याख्यान दिया। सबजोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके गोदावरी दीदी ने साहस, उत्साह और आनंदित ऊर्जा के महत्व पर प्रकाश डाला। ध्यान सत्र ने आंतरिक शांति प्रदान की।

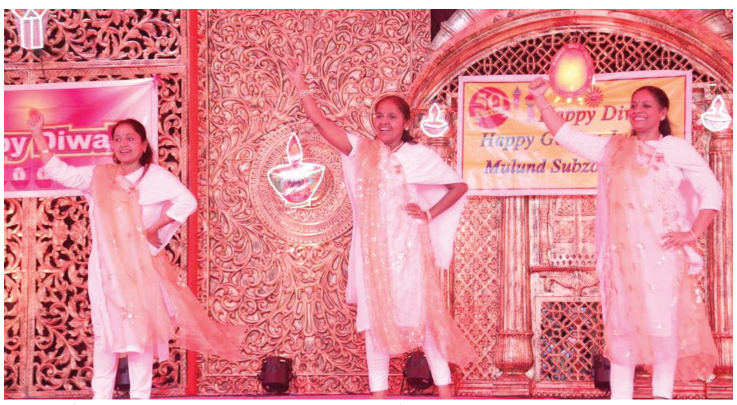

सामुदायिक भोजन ने एकता और स्नेह को बढ़ावा दिया। उपस्थित लोगों ने मिलकर दीप प्रज्वलित किया। केक कटिंग किया और सभी के लिए मिठास बांटी गई। शुरुआत में मुरली वाचन और भोग अर्पण से हुई। पारंपरिक नृत्य और संगीत प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया। समारोह का उद्देश्य आध्यात्मिक चिंतन और एकता को बढ़ावा देना था। उपस्थित लोगों ने प्रेमपूर्वक तैयार किए गए शाकाहारी व्यंजनों का आनंद लिया।

रांची, झारखंड। ब्रह्माकुमारीज़ चौधरी बागान हरमू रोड रांची में दीपावली कार्यक्रम धूमधाम से मनाया गया। इसमें सेवाकेंद्र संचालिका बीके निर्मला दीदी ने दीपावली का आध्यात्मिक महत्व बताया। इस मौके पर हार्टफुलनेस संस्था की क्षेत्रीय समन्वयक सुनन्दा चौहान, डॉ. प्रियंका, समाजसेवी चन्द्राणी मुख़र्जी, डॉ. रीना सेनगुप्ता, राय यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार डॉ. पीयूष रंजन, आर्ट ऑफ लिविंग के सुनील गुप्ता, समाजसेवी अनूप चौहान आदि मौजूद रहे।

ग्वालियर, मप्र। मालनपुर स्थित ब्रह्माकुमारीज़ गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर में भाईदूज कार्यक्रम मनाया गया। इसमें भोपाल जोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके अवधेश दीदी ने कहा कि भाईदूज पर्व वास्तव में स्वयं के स्वमान में टिकने का प्रतीक है। हर बहन भाई के लिए प्रार्थना करती है कि मेरा भाई हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करें और भाई बहन को सुरक्षा का वचन देता है। वास्तव में हर पल की सुरक्षा तो परमात्मा ही कर सकता है। हमें अपनी आत्मिक स्मृति में टिक कर परमात्मा का सदा ध्यान रखना है। मालनपुर की संचालिका बीके ज्योति बहन ने प्रतिज्ञा कराई। पोरसा से बीके रेखा दीदी भी मौजूद रहीं।

बीदर (कर्नाटक)। ब्रह्माकुमारीज़ के शिव शक्ति भवन बिदर रामपुरे कॉलोनी सेवाकेंद्र पर हर्षोल्लास से दीपावली मिलन समारोह मनाया गया। इसमें राजयोगी प्रो. ईवी स्वामीनाथन एवं इंदौर से पधारीं बीके सारिका दीदी ने अपने अनुभव सांझा किए। बीके सुमंगला दीदी ने दीपावली का आध्यात्मिक महत्व बताया। इस मौके पर विधायक शैलेन्द्र बेलडाले, कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के चेयरमैन बीजी षट्कार, वरिष्ठ पत्रकार शिवशरणप्पा वाली, डीसीसी बैंक के पूर्व महाप्रबंधक डीएस कुद्रे, नवीन पब्लिक स्कूल के संचालक कामशेट्टी चिकबासे, डॉ. ललितम्मा, डॉ. उमा देशमुख मुख्य रुप से मौजूद रहे। बीके सुनंदा दीदी ने स्वागत किया।

शिव आमंत्रण, बैतूल, मप्र। ब्रह्माकुमारीज़ के भाग्य विधाता भवन में धूमधाम से पांच दिवसीय दीपावली महोत्सव मनाया गया। इसमें सभी को तिलक लगा कर, पट्टा पहनाकर और ताज पहनाकर स्वागत किया गया। वहीं कलाकारों ने सच्ची दीपावली का अर्थ बताते हुए नाटक का मंचन किया। महोत्सव में सेवाकेंद्र संचालिका बीके मंजू दीदी ने कहा कि जब हम अपने अंदर लक्ष्मी जैसे लक्षणों को धारण करेंगे, तभी हम सच्ची दीपावली मना सकते हैं। अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। सारणी सेवा केंद्र संचालिका बीके सुनीता दीदी, बीके मालती दीदी, बीके हेमलता बहन, बीके लक्ष्मी बहन, बीके पूर्णिमा बहन, बीके अरुणा बहन, बीके सविता बहन, बीके अर्चना बहन, बीके नंदकिशोर भाई, बीके तरुण भाई सहित सैकड़ों भाई-बहन मौजूद रहे।

पानीपतः कैबिनेट मंत्री ने किया नमस्ते प्रोजेक्ट लांच

अब नमस्ते कहकर अभिवादन करूंगा : मंत्री

शिव आमंत्रण, पानीपत, हरियाणा।

ज्ञान मान सरोवर रिट्रीट सेंटर में राजयोग एजुकेशन एवं रिसर्च फाउंडेशन के तहत संचालित शिपिंग एविएशन एंड टूरिज्म विंग के नमस्ते प्रोजेक्ट की लॉन्चिंग कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पॉवर ने की।

मंत्री पॉवर ने कहा कि हमारा तो सारे दिन पब्लिक से मिलना होता है और उसमे हम कई बार नमस्ते करते हैं लेकिन कभी-कभी मिस भी हो जाता है। नमस्ते प्रोजेक्ट भारतीय संस्कृति को बढ़ाने का बहुत अच्छा साधन है। अब से मैं दिन में अनेक बार नमस्ते करके अभिवादन करने का प्रयास करुंगा। इसके अलावा प्रोजेक्ट के तहत दो दिवसीय ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। इसमें भारत भर से भाई बहनों ने भाग लिया है। शिपिंग एविएशन एंड टूरिज्म विंग द्वारा पंजाब ज़ोन में पर्यटन क्षेत्र की ईश्वरीय सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए इस ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। विंग की नेशनल कोऑर्डिनेटर ब्रह्माकुमारी कमलेश दीदी ने कहा कि पंजाब जोन में पर्यटन क्षेत्र का बहुत ही अच्छा स्कोप है। यहां पर ऐतिहासिक महत्व वाले अनेक शहर, धार्मिक तीर्थ स्थल तथा प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर सैकड़ों हिल स्टेशन हैं, जहां पर हम बहुत अच्छी सेवाएं दे सकते हैं। मेरीटाइम कंसल्टेंसी सिंगापुर के डायरेक्टर मनु भाई, राजयोगिनी सरला दीदी, बीके भारत भूषण भाई, भरतपुर की बीके परवीना बहन, अम्बाला की बीके शैली बहन ने अपने विचार व्यक्त किए।

ज्ञान मानसरोवर बनेगा ज्ञान का प्रकाश स्तंभ

पुणे, महाराष्ट्र। न्यू कल्याणी नगर पुणे में ज्ञान मानसरोवर नए भवन का उद्घाटन संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके संतोष दीदी और शांतिवन से पधारे सीए बीके ललित भाई ने रिबन काटकर किया। इस मौके पर माजी आमदार बापू साहब पटरी, भानु बहन, सामाजिक कार्यकर्ता ज्ञानेश्वर गलांडे पाटील, अहमदाबाद से पधारीं बीके पारू दीदी विशेष रूप से मौजूद रहीं। सेवाकेंद्र संचालिका बीके प्रेमा दीदी ने बताया कि नवनिर्मित ज्ञान मान सरोवर भवन समाज के नाम समर्पित कर दिया गया है। अब यहां से सामाजिक उत्थान, सामाजिक कल्याण के कार्यक्रम चलाए जाएंगे। साथ ही सुबह-शाम लोगों को स्ट्रैस मैनेजमेंट, सेल्फ मैनेजमेंट, टाइम मैनेजमेंट, लाइफ मैनेजमेंट, राजयोग मेडिटेशन आदि कोर्स निःशुल्क कराए जाएंगे। इसके अलावा नशामुक्त भारत अभियान, आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत सामाजिक सेवाएं की जाएंगी। यह भवन लोगों के जीवन में ज्ञान का प्रकाश स्तंभ बनकर उभरेगा।

रायपुर। राजभवन में छग के राज्यपाल रमन डेका से मुलाकात कर जापान से पधारीं बीके रजनी दीदी ने भाईदूज का तिलक लगाकर शुभकामनाएं दीं।

पन्ना, मप्र। जिला जेल में भाई दूज के उपलक्ष्य में जेलर आरपी मिश्रा को सौगात देती हुई जिला प्रभारी बीके सीता बहन।

मुंबई नाका स्थित शिवदर्शन भवन सेवा केंद्र का उद्घाटन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ

'शिवदर्शन भवन' से दुख, तकलीफ में डूबे लोगों को मिलेगा ईश्वर प्राप्ति का मार्ग : राजयोगिनी संतोष दीदी

शिव आमंत्रण, नासिक, महाराष्ट्र

इंदिरा नगर अंडर पास, मुंबई नाका के पास स्थित ब्रह्माकुमारीज़ के नवनिर्मित शिवदर्शन भवन का लोकार्पण संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी बीके संतोष दीदी ने दीप प्रज्जवलित कर और रिबन काटकर किया। इसके साथ ही यह भवन समाज के नाम समर्पित हो गया। अब यहां से सामाजिक कल्याण के अभियान और कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

सभा को संबोधित करते हुए बीके संतोष दीदी ने कहा कि ईश्वर के गुणों व शक्ति पर हमारा पूर्ण अधिकार है। यदि ये गुण और शक्तियां हमारे पास होंगी तो हमारे बुरे विकार, विचार, रोग और दुःख नष्ट हो जाएंगे। इससे हम अवश्य ही नए सतयुग निर्माण में जाने के योग्य बन जाएंगे। इस शिवदर्शन भवन का निर्माण दुःख-तकलीफों में खोये हुए तथा ईश्वर प्राप्ति के प्यासे लोगों को पुनः ईश्वर के सान्निध्य में लाने के लिए किया गया है। इस शिवदर्शन भवन से अनेक लोगों को ईश्वर प्राप्ति का मार्ग मिलेगा। इससे ही आपको अपनी और ईश्वर की सच्ची पहचान मिलेगी।

इस अवसर पर नासिक जिला मुख्य सेवा केंद्र की संचालिका बीके वासंती दीदी, विधायक सीमा ताई हिरे, श्रीकंठानंद स्वामी, संदीप विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राजेंद्र सिन्हा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। स्वागत भाषण मुंबई नाका सेवाकेंद्र की प्रभारी बीके वीणा दीदी ने दिया।

इम्फाल, मणिपुर। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रतिनिधिमंडल ने संचालिका बीके नीलिमा दीदी के नेतृत्व में राजभवन में राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की। इस दौरान दीदी ने संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में राज्यपाल को अवगत कराया। साथ ही ज्ञान चर्चा के साथ मेडिटेशन के बारे में बताया। ब्रह्माकुमारीज़ परिवार की ओर से राज्यपाल को दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

नांदेड़ (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने नांदेड़ जिले के किसान, उद्योगपति, व्यावसायी, पत्रकार, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर किसानों की आत्महत्याएं रोकने के लिए और परिस्थितियां बेहतर बनाने के लिए क्या-क्या प्रयास किया जा सकता है इसके संदर्भ में चर्चा की। इस मौके पर जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी भाऊसाहेब बऱ्हाटे और किसानों के प्रतिनिधिमंडल से सेंद्रीय कृषिभूषण बीके भगवान इंगोले ने किसानों की वर्तमान परिस्थिति, व्यथाएं में परिवर्तन करने के लिए कुछ सुझाव राज्यपाल से सांझा किए।

कुरुक्षेत्र, हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के कुरुक्षेत्र सेवा केंद्र में राष्ट्र निर्माण में सहयोग देने वाले शिक्षकों के लिए समग्र बुद्धिमत्ता से प्रभावी शिक्षण' विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें अंतर्राष्ट्रीय वक्ता बीके डॉक्टर ईवी स्वामीनाथन ने कहा कि बच्चों के निर्माण में माता-पिता और शिक्षक तीनों का अहम योगदान महत्वपूर्ण होता है। आज हमारे बच्चे, जीवन क्या है..? इसके बारे में गूगल पर ढूंढ रहे हैं। शायद हम उन्हें इस बारे में बता नहीं पा रहे हैं। उन्होंने अभिमन्यु का उदाहरण देते हुए बताया कि बच्चों को गर्भ में ही शिक्षा देनी चाहिए। भावना, बुद्धिमता के साथ आध्यात्मिकता अत्यंत जरुरी है। शिक्षा में सबसे महत्वपूर्ण कौशल एकाग्रता है जिसे हम सब शिक्षक को सीखना चाहिए। प्रभारी बीके सरोज बहन और स्कूल आफ मैनेजमेंट की प्रो. निर्मला चौधरी ने भी संबोधित किया।

भीनमाल, राजस्थान। ब्रह्माकुमारी राजयोग केन्द्र द्वारा ब्लॉक स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें 57 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। मीडिया प्रभारी माणकमल भंडारी ने बताया कि समारोह में गत वर्ष 10 एवं 12 बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 57 विद्यार्थियों, अभिभावकों का माला, शाल के साथ स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन किया गया। सेवाकेन्द्र प्रभारी गीता बहन ने कहा कि जीवन में शिक्षा के साथ ज्ञान का भी महत्वपूर्ण स्थान है। हमें शिक्षा के साथ ज्ञान का भी अध्ययन करना चाहिए। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष नरेन्द्र आचार्य, सन तो ह्यूमन के अध्यक्ष कन्हैयालाल खण्डेलवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

रियल लाइफ

प्रभु ! आप आए और हम पहचान नहीं पाए...

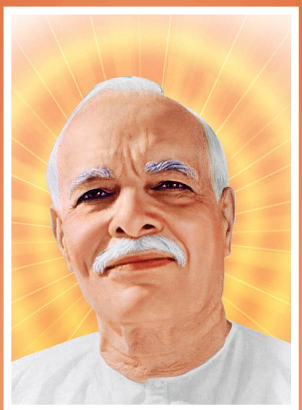
प्रजापिता ब्रह्मा बाबा, संस्थापक, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, माउंट आबू

हमने प्रभु का परिचय दे दिया, ताकि कोई उलहना न दे सके कि "प्रभु! आप साधारण मानवी वेश में आए और हम पहचान नहीं पाए

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

परमपिता परमात्मा कहते हैं कि विश्व-शान्ति की स्थापना के लिए आप चिन्ता न कीजिए। यह कार्य मेरा है। आप इसमें मुझे सहयोग दीजिए। आपसे मुझे इतना सहयोग चाहिए कि आप स्वयं पवित्र बनिए और मेरी स्मृति में रहिए क्योंकि अब मुझे पूर्णतया पवित्र सतयुगी दैवी सृष्टि की स्थापना करनी है। विश्व में सम्पूर्ण शान्ति केवल सतयुग में ही होती है और उस विश्व की अथवा युग की स्थापना मैं सृष्टि का रचयिता स्वयं ही कराता हूं। यह कार्य किसी मनुष्य का नहीं है। अतः आप सभी धार्मिक नेता स्वयं पवित्र एवं योग-युक्त बनो और दूसरों को भी अब पवित्र बनने का और ईश्वर को याद करने का एकमात्र सन्देश दो क्योंकि वर्तमान काल विश्व के इतिहास का अन्तिम चरण है।

एटम और हाइड्रोजन बम विश्व के विनाश के लिए बने हैं और तृतीय विश्व युद्ध आपके रोकने से भी नहीं रुक सकेगा क्योंकि उस द्वारा महाविनाश होना ही है और लगभग सभी आत्माओं को परमपिता परमात्मा अब शान्ति की इच्छा पूरी करने के लिए उन्हें वापस अपने धाम ले जाएंगे और आसुरी मतों के विनाश के परिणामस्वरूप इस मनुष्य लोक में भी पूर्ण शान्ति हो जाएगी। यहां पर केवल एक दैवी धर्म, एक चक्रवर्ती दैवी मर्यादा वाला राज्य और एक ही भाषा होगी। फिर 2500 वर्षों तक न कोई युद्ध होगा और न विश्व में अशान्ति होगी। बाद में उलहना न देना! हमारी इन अधिकारपूर्ण बातों को सुनकर लोग आश्चर्यान्वित होते। उनके मन को हमारी बात ठीक भी लगती परन्तु उन्हें आचरण में लाने का यत्न तो कोई विरला ही सौभाग्यशाली करता। हमने अपने कर्त्तव्य का पालन करते हुए प्रभु का परिचय दे दिया, ताकि कल कोई उलहना न दे सके कि 'प्रभु! आप साधारण मानवी वेश में आए और जिन्होंने आपको पहचानकर अपना जीवन उच्च बनाया और आपसे अपार खज़ाना पाया, उन्होंने हमें सूचना भी न दी और आपका परिचय भी न दिया।

जापान में शिव की प्रतिमा का प्रयोग-

ब्रह्माकुमारी प्रकाशमणि जी ने लिखा है- जापान में हम 'एनानायक्यो' नाम की जिस धार्मिक संस्था के निमन्त्रण पर 'विश्व धर्म सम्मेलन' में सम्मिलित हुए थे, उसके प्रचारक तथा अनुयायी जिस प्रकार की साधना करते थे, उसकी ओर हमारा विशेष ध्यान गया। क्योंकि उसमें वे एक ऐसी प्रतिमा का प्रयोग करते थे जिस प्रतिमा का प्रयोग भारतीय लोग भी करते हैं। उन लोगों की साधना की विधि यह थी कि वे अपने तरीके से एक आसन पर बैठ जाते थे और अपने सामने कुछ दूर एक स्टैंड रखते थे और उसके केन्द्र में एक अण्डाकार पत्थर रखते थे। उसे वे पवित्र मानते थे और उसी पर अपने नेत्र टिका कर अर्थात् दृष्टि स्थिर करके मन को एकाग्र करने का अभ्यास करते थे। वे मानते थे कि इस प्रकार के अभ्यास से आत्मा का परमात्मा से सम्बन्ध जुट जाता है। अपनी भाषा में वे जो शब्द प्रयोग करते थे, उसका भाव यह होता कि यह अभ्यास आत्मा और परमात्मा के बीच मानो एक 'पुल' बांधने के भाव से किया जाता है। उनकी संस्था का नाम 'एनानायक्यो' भी शायद इसी अर्थ का बोधक था। एक दिन हमने उस मत के अनुयायियों से पूछा कि आप अपनी साधना-पद्धति में इस अण्डाकार पत्थर का क्यों प्रयोग करते हैं? आप किसी अन्य आकार का पत्थर क्यों नहीं ले लेते? इस पत्थर को आप किसका प्रतीक मानते हैं? वे बोले - इसे हम 'पवित्र' मानते हैं। साधना की यह रीति हमारे यहां परम्परा से चली आई है। इस साधना से हमें शान्ति मिलती है। यह किसका प्रतीक है? यह हम नहीं जानते। इसके विषय में शायद हमारे मान्यवर प्रधान अथवा संस्थापक ही बता सकेंगे। हमने सोचा कि यह भी एक विचित्र बात है कि जिस प्रतीक का ये लोग अपनी साधना में प्रयोग करते हैं, उसके बारे में इन्हें इतना भी पता नहीं कि यह किसकी प्रतिमा है! वे लोग अभ्यास समाप्त करने के बाद उस पत्थर को स्टैंड से उतार कर एक साफ़ एवं अच्छे वस्त्र में आदर-पूर्वक लपेट कर रख लेते थे। .... **क्रमशः**

प्रेरणापुंज

बाबा किसी भी बात में किसी को दोषी नहीं समझते थे...

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

देह यही है लेकिन आत्मा जैसे इस देह में होते हुए भी विकारों से मुक्त है। सहज पांच विकारों को छोड़ दिया, फेंक दिया। किसी को छोड़ने में थोड़ा टाइम लगा होगा। अगर मोह वश थोड़ा भी छोड़ने में टाइम लगाया तो बाबा को भी छोड़ के चले गए या क्रोध के वश होके बाबा को छोड़ के चले गए। क्रोध का कारण भी है देह अभिमान, मेरी बात मानी जाए, मैं जो कहूं वही हो। उसको श्रीमत को पालन करना मुश्किल लगेगा। बीच में मनमत होगी तो बड़बड़ करते रहेंगे। शान्त नहीं हो सकेंगे। ईश्वर की बात को ध्यान से सुन करके धारण नहीं कर सकेंगे। कारण है-देह अभिमान, क्योंकि देह-अभिमान गुस्सा दिलाता है। जिन्होंने 'काम' महाशत्रु को भी जीत लिया फिर भी बाबा का हाथ छोड़ देने का मतलब है क्रोध। वह भी कम नहीं है तो हमारे में जरा भी गुस्से का अंश मात्र भी न हो तब कहेंगे- हम अपना मित्र हैं। नाराज होने की अंश मात्र भी नेचर न हो। कभी भी नाराज हुए माना मूड चेंज हो गई। अपमान महसूस किया तो वह योगी कैसे बन सकता है। जो सच्चा योगी है वह दुःख-सुख, मान-अपमान, निन्दा-स्तुति, हार-जीत में समान है। यही लाइफ है। मम्मा, बाबा को ऐसे देखा है। सब समझे यह हार में जा रहे हैं लेकिन बाबा कहते कि धीरज धरो। बाबा किसी भी बात में किसी को दोषी नहीं समझते थे।

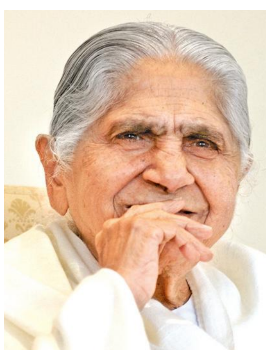
राजयोगिनी दादी जानकी, पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़, माउंट आबू

"योग में रह कर शान्ति की शक्ति जमा करें। कितनी मेहनत होती है कई तो कमाई करने में भी इतना टाइम नहीं देते लेकिन सारा दिन खर्चा ही खर्चा।"

कहते थे कि इसमें इसका दोष नहीं। बस जवाब यही होता था। कितना हमको बाबा समझदार बनाता है तो हम भी ऐसे शान्त, चुप रहें। अगर योगी हैं तो इससे आपे ही सब ठीक हो जाएगा। लेकिन पहले तुम योगी तो बनो। योग से काम तो लो, कम से कम दुःख-सुख, हार-जीत में समान तो बनो। जो भी सीन सामने आ रही है, तुम तो समानता में रहो। फिर जिससे योग लगाते हैं वह आपे ही करेगा। हमको तो इन बातों का इतना अच्छा अनुभव है बात पूछो।

हमारा योग किसके साथ है? जब सर्वशक्तिमान के साथ योग है तो वह शक्ति मेरे पास हो जिससे समान रहने की शक्ति मेरे अन्दर आए। सामना करने का या बदला लेने का ख्याल न आए, लेकिन उसमें भी समान रहूं। चिन्तन न चले। मैं शान्त रहूं तो बुद्धिवानों का बुद्धि बाबा आपे ही उनको ठीक करेगा, वह उसका काम है।

मेरा काम क्या है? बाबा कहते हैं 'स्वधर्म' में टिको, धरत परिये धर्म न छोड़िए। यह स्वधर्म शक्ति देने वाला है। हरेक को अनुभव होगा जितना समय डीप साइलेन्स में रहो उतना समय शक्तिशाली स्थिति का अनुभव होगा। कमजोरी महसूस तब होती है जब साइलेन्स में नहीं रहते। जैसे ठीक टाइम पर हमने खाना नहीं खाया, रेस्ट नहीं की तो कमजोरी आएगी। वैसे साइलेन्स में हम न रहे, शान्ति से शक्ति अन्दर जमा नहीं की तो खर्चा बहुत, कमाई कम।

अव्यक्त इशारे

हमें सर्वगुण संपन्न, संपूर्ण निर्विकारी यहां ही बनना है

शिव आमंत्रण, आबू रोड/राजस्थान।

बाबा कहते हैं कि समय को तो देख रहे हो, कितना बदल रहा है। हमको क्या करना है, वह सोचो। ऐसे नहीं कि समय आएगा तो हम तैयार हो जाएंगे। फिर तो समय हमारा शिक्षक हुआ, परमात्मा नहीं। परमात्मा ने इतना समझाया तो हम नहीं बदले और समय जब आया तो बदल गए तो मेरा कौन शिक्षक हुआ? परमात्मा हुआ या समय हुआ। कितने नशे की बात है कि बड़े से बड़ा शिक्षक खास परमधाम से हमको पढ़ाने के लिए आता है, इतने तो हम सिकीलधे हैं, लाड़ले हैं, ऊंचे हैं जो खास परमात्मा हमारे लिए आता है, पढ़ाने के लिए। यह साधारण बात तो नहीं है ना! तो बाबा ने कहा कि सर्वस्व त्यागी और बेहद के वैरागी बनो। यह मोह, यह लोभ क्यों होता है? वैराग्य की कमी। बेहद का वैराग्य, ऐसे नहीं एक चीज मुझे अच्छी नहीं लगती है या कोई ने धोखा दिया उससे वैराग्य आ गया। वह कोई वैराग्य थोड़े ही हुआ, वह तो बैर हुआ। उसको वैराग्य कैसे कहेंगे। वैराग्य माना ज्ञान से, समझ से, दिल से, वैराग्य एक से लगाव हो एक से नहीं हो, तो वह बेहद का तो नहीं हुआ न, हद हुई। सेवा तो करते हैं और सेवा तो होनी ही है। पहले हम सेवा के पीछे दौड़ते थे, अभी सेवा हमारे पीछे-पीछे दौड़ रही है। कितने निमंत्रण मिलते हैं। सेवा तो बहुत की है, लेकिन बाबा कहते अपने को रियलाइज करो। सेल्फ रियलाइज करो- मैं आत्मा हूं यह तो समझ लिया, लेकिन आत्मा जो सम्पूर्ण बननी चाहिए वह सम्पूर्ण आत्मा हूं? ऐसे आत्मा तो पापात्मा भी है, रजोगुणी आत्मा भी है लेकिन हम कौन सी आत्मा हैं? तो सेल्फ में यह रियलाइजेशन किया कि मैं आत्मा हूं लेकिन जो हमारा लक्ष्य है कि मैं बाप समान बनूं, संपूर्ण बनूं। हमारा जो टाइटल है- सर्वगुण सम्पन्न, सम्पूर्ण निर्विकारी... वह यहां ही तो बनना है ना। डिग्री तो अभी लेनी है, फिर स्टेटस वहां मिलेगा। अपने को रियलाइज करना है कि मैं सचमुच बाप समान बनी हूं?

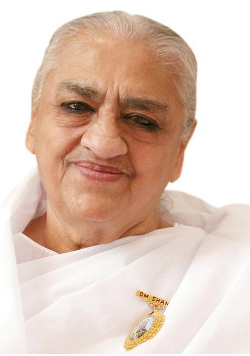
राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी (गुलजार दादी), पूर्व मुख्य प्रशासिका, ब्रह्माकुमारीज़

सोचने की या मेहनत करने की जरूरत ही नहीं है, सिर्फ ब्रह्मा बाबा को कॉपी करना है।

हमारा हर कर्म श्रीमत के प्रमाण हो...

जो भी काम करो चेक करो कि ब्रह्मा बाबा को यह प्यारा है। अगर ब्रह्मा बाबा को प्यारा नहीं है तो मैं नहीं कर सकती हूं। हमारा बहुत सहज पुरूषार्थ है, मेहनत करने की जरूरत ही नहीं है, क्योंकि हमको फॉलो करना है। कोई अपना रास्ता तो बनाना ही नहीं है। जो सोचें कि पता नहीं यह ठीक होगा या नहीं होगा। मंजिल मिलेगी कि नहीं मिलेगी, यह सोचने की जरूरत ही नहीं है। हमें तो जो ब्रह्मा बाबा ने किया है उसके कदम के पीछे कदम रखना है।

शिव बाबा ने सवेरे से रात्रि तक के लिए श्रीमत दी हुई है। कैसे उठो, कैसे काम करो, कैसे भोजन बनाओ, कैसे खाओ, कर्म करते हो, व्यापार करते हो या दफ्तर में जाते हो तो कर्मयोगी कैसे बनो? हर कर्म के लिए बाबा की श्रीमत है। तो जो श्रीमत है उसी प्रमाण चलते चलो तो मुश्किल क्या है? सोचो ही क्यों? अमृतवेले आप अपने जीवन की गाड़ी श्रीमत की पटरी पर चढ़ा दो तो सहज चलती रहेगी।

ब्रह्मा बाबा ने रखी थी राजापार्क सबजोन की नींव, डायमंड जुबली मनाई

शिव आमंत्रण, राजापार्क, जयपुर

साकार ब्रह्मा बाबा द्वारा स्थापित जयपुर राजापार्क सब जोन को राजस्थान के विभिन्न क्षेत्रों में सेवाओं के विस्तार के उद्देश्य को लेकर 60 वर्ष पूर्ण होने पर डायमंड जुबली समारोह जयपुर के एंटरटेनमेंट पैराडाइस में आयोजित किया गया। बता दें कि राजापार्क सबजोन द्वारा राजस्थान के कोने - कोने में जयपुर, अलवर, जोधपुर, उदयपुर, डूंगरपुर, सीकर, पाली, बाड़मेर, झुंझुनू ,जैसलमेर, राजसमंद, बांसवाड़ा में विहंग मार्ग की सेवाएं की जा रही हैं। जिसमें सेवाओं की नींव पूर्व संचालिका निर्मला दीदी ने रखी। सबजोन निदेशिका बीके पूनम दीदी के मार्गदर्शन में सबजोन के सेवाकेंद्रों की मुख्य 21 वरिष्ठ राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी दीदियों का सम्मान किया गया। इसमें मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय आध्यात्मिक वक्ता राजयोगिनी बीके उषा दीदी ने कहा कि आज से 60 साल पूर्व जब कोई साधन नहीं थे, जब इतने भाई-बहने नहीं थे, जब ऐसी सुविधा नहीं थी ऐसे समय पर जयपुर के अंदर प्यारे बाबा ने श्रद्धेय निर्मला दीदी को भेजकर यहां सेवा प्रारंभ की थी। साथ ही पूनम बहन बहुत छोटी सी आयु में बाबा के सामने आए और बाबा ने ही अपने वरदानों से सींचा। आपका जीवन, मम्मा ने भी अपने वरदानी बोल से आपके अंदर वह शक्ति को जागृत किया जिससे आज इतने बड़े सबजोन की जिम्मेवारी बखूबी निभा रही हैं।

कार्यक्रम में सम्मानित मुख्य 21 बहनों में बीके निर्मला दीदी (कमल अपार्टमेंट जयपुर सेवाकेंद्र इंचार्ज), बीके शील दीदी (जोधपुर सेवाकेंद्र इंचार्ज), बीके फूल दीदी (जोधपुर सेवाकेंद्र इंचार्ज), बीके सुशीला दीदी (अलवर सेवाकेंद्र इंचार्ज),बीके ममता दीदी, अलवर आदि रहीं। शुरुआत में अंतर्राष्ट्रीय संगीत गुरु रोहित कटारिया ने सुंदर गीतों की प्रस्तुति दी।

इसके अलावा राजापार्क सबज़ोन की अब तक की सेवाओं को एक संक्षिप्त वीडियो द्वारा प्रदर्शित किया गया एवं आदिकालीन सेवाओं की एक लघु नाटिका दिखाई गई। संचालन बीके स्नेह दीदी (सोडाला सेवाकेंद्र इंचार्ज) एवं बीके श्रुति बहन ने किया। इसमें लगभग 300 ब्रह्माकुमारी बहनें एवं हज़ारों की संख्या में भाई-बहनें मौजूद रहे। अंत में सभी को सौगात भेंट कर ब्रह्माभोजन स्वीकार करवाया गया |

जबलपुर, मप्र। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन द्वारा राष्ट्रीय स्तर की सेंट्रल जोन कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। इसमें मुख्य अतिथि इलाहाबाद हाईकोर्ट की पूर्व मुख्य न्यायाधीश प्रीतिंकर दिवाकर, सेवाकेंद्र संचालिका बीके भावना बहन, एनएससीबी मेडिकल कॉलेज के पूर्व डीन प्रो. डॉ. प्रदीप के कसार, डॉ. प्रो. नवनीत सक्सेना, आईएमए के डॉ. श्रीरंग अबकारी, डॉ. प्रो .वृन्द के भारद्वाज, डॉ. अमेन्द्र, डॉ. आदित्य परिहार सहित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से जुड़े बड़ी संख्या में डॉक्टर मौजूद रहे।

श्रीनगर गढ़वाल (उत्तराखंड)। ग्रीष्मकालीन राजधानी भराड़ीसैंण (गैरसैंण) चमोली में मानसून सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण की विशेष पहल पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें ब्रह्माकुमारीज़ की बहनों बीके नीलम दीदी, बीके सरिता दीदी ने 70 सदस्यीय विधानसभा में मुख्यमंत्री, आठ मंत्रियों, 60 विधायकों सहित विधानसभा सत्र में आए हुए अधिकारियों, कर्मचारियों एवं मीडिया के 500 से अधिक भाई-बहनों को रक्षासूत्र बांधा। बीके मेहरचन्द भाई भी विशेष रुप से मौजूद रहे।

शांत मन से क्रोध और तनाव पर नियंत्रण रखना सहज

शिव आमंत्रण, इंदौर, मप्र

ब्रह्माकुमारीज़ के सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा न्यू पलासिया स्थित ज्ञान शिखर ओम शांति भवन में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। विषय था 'स्व सशक्तिकरण से राष्ट्र सशक्तिकरण'। इसमें इन्फैंट्री स्कूल के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल गजेंद्र जोशी ने कहा कि जिस प्रकार सुरक्षा सेवाओं में जवानों के शारीरिक प्रशिक्षण तथा अस्त्र-शस्त्र हथियारों की शिक्षा दी जाती है इसी प्रकार मानसिक स्वास्थ्य का भी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए जिससे जवानों को मन को शांत रखने की कला सीखने को मिले। शांत मन से क्रोध व तनाव पर नियंत्रण अच्छी तरह से रख सकते हैं। आरएपीटीसी के स्पेशल डीजी वरुण कपूर ने कहा कि सुरक्षा के कार्य में जुड़े अधिकारी और जनता की जागरूकता जब मिल जाती है, तब ही सही सुरक्षा मिलती है। एक अच्छे राष्ट्र की पहचान वहां की सुरक्षा व्यवस्था ही होती है। स्व सशक्तिकरण के लिए आत्म सुरक्षा आवश्यक है। जीवन में अनुशासन, आदर और ईमानदारी ही आत्म सुरक्षा के सबसे बड़े साधन है। सेवानिवृत्त वॉइस एडमिरल एसएन घोरमड़े ने बताया कि मनुष्य अपने मन को भी आत्म अनुशासन के द्वारा सशक्त कर स्वयं के आंतरिक दुश्मन तनाव, भय, चिंता, अशांति पर विजय प्राप्त कर सकता है। मेडिटेशन या ध्यान मन को मजबूत बनाता है और हमें सदा खुश रहना सिखाता है। इंदौर जोन की निदेशिका बीके हेमलता दीदी, मोटिवेशनल स्पीकर ईवी स्वामीनाथन, प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक गाबा, रक्षा अनुसंधान एवं विकास मंत्रालय के अतिरिक्त निदेशक कैप्टन शिव सिंह, कर्नल सती सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कटनी, मप्र। जिले में जिला न्यायाधीश जितेंद्र कुमार शर्मा के प्रथम आगमन पर कटनी सिविल लाइन की बीके लक्ष्मी दीदी, बीके दुर्गा बहन, बीके नेहा बहन, बीके ज्योति बहन ने मुलाकात कर स्वागत किया और दीपावली की शुभकामनाएं दीं।

लखीसराय, बिहार। पावर ग्रिड उपकेंद्र में सतर्कता जागरुकता सप्ताह के समापन पर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि के विषय पर आयोजित इस कार्यक्रम में पावर ग्रिड उपकेंद्र लखीसराय के मुख्य प्रबंधक अमित कुमार सिन्हा, पटना से तनाव प्रबंधन विशेषज्ञ संजय कुमार, सेवाकेंद्र लखीसराय की संचालिका बीके रीता बहन ने अपने विचार व्यक्त किए।

स्वच्छ-स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण की लॉन्चिंग

मानसिक, भावनात्मक रूप से भी स्वस्थ रहें

शिव आमंत्रण, कोलकाता

ब्रह्माकुमारीज़ (कोलकाता संग्रहालय) द्वारा कला मंदिर ऑडिटोरियम में स्वच्छ और स्वस्थ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण का लॉन्चिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। शुभारंभ पर संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी सुदेश दीदी ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ समाज को साकार करने में आध्यात्मिकता का सर्वोपरि महत्व है। हम सभी अपने घरों में सफाई का ध्यान रखते हैं, सरकार भी देश की सफाई का ध्यान रखती है लेकिन हमें दिल की सफाई और एक ऐसे समाज के लिए प्रेम की भावनाओं के प्रति भी उतना ही अधिक चौकस रहने की जरूरत है जो न केवल शारीरिक रूप से स्वस्थ हो बल्कि मानसिक, भावनात्मक और नैतिक रूप से स्वस्थ हो।

पूर्वी ज़ोन मुख्यालय की प्रभारी राजयोगिनी बीके कानन दीदी ने कहा कि यह वह समय है जब भगवान, सर्वोच्च सत्ता वर्तमान में विश्व परिवर्तन का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने आत्माओं को सर्वोच्च से जुड़ने और परिवार में प्रेम और खुशी का अनुभव करने के लिए उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आमंत्रित किया। राज्य मुख्य सूचना आयुक्त और पूर्व डीजीपी वीरेंद्र कुमार, राज्य सूचना आयुक्त नवीन प्रकाश, आपदा प्रबंधन के प्रमुख सचिव दुष्यंत नरियाला, सार्वजनिक उद्यम और उद्योग पुनर्गठन की सचिव स्मिता पांडे, रोटरी के पूर्व प्रमुख और एमसीकेवी के अध्यक्ष किशन केजरीवाल और पूर्व रोटेरियन की पत्नी स्वाति मल्होत्रा मुख्य रूप से मौजूद रहे।

शीतल दुगर, चेयरपर्सन, जीतो एपेक्स लेडीज विंग, सुनीता मेहता, ईस्ट जोन कन्वेयर, जीतो लेडीज विंग एपेक्स, कोलकाता, राजू भारत और अंजना भारत, केनिलवर्थ होटल कोलकाता के मालिक द्वारा बीके सुदेश दीदी का सम्मान किया गया। बच्चों ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। बीके चंद्रा बहन ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

मुंगेली, छत्तीसगढ़। जिला केंद्रीय कारागृह में कैदियों को तनाव मुक्त जीवन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस मौके पर जिला जेल की उप अधीक्षक ममता पटेल, बीके नारायण भाई, बीके राधे, बीके अशोक, बीके राम अवतार, बीके लक्ष्मी बहन मौजूद रहीं।

महेसाणा, गुजरात। दिवाली पर ब्रह्माकुमारीज़ के गोडली पैलेस में अलौकिक स्नेह मिलन आयोजित किया गया। इसमें डिस्ट्रिक्ट एण्ड सेशंस जज एस. एस. काले, सेवाकेन्द्र की प्रभारी बी.के. सरला दीदी, राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. धारा बहन ने अपने विचार व्यक्त किए।

बरेली, उप्र। आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरि महाराज से ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से बीके पार्वती बहन, बीके नीता बहन, बीके पारुल बहन, बीके अनुराग भाई, बीके अनूप भाई ने मुलाकात कर स्मृति चिंह्र भेंटकर सम्मान किया।

जालंधर, पंजाब। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में विजडम हॉल का उद्घाटन प्रेरक वक्ता बीके शिवानी दीदी, गांधीनगर की बीके कैलाश दीदी, बीके उत्तरा दीदी के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर शहर की जानीं-मानी हस्तियां विशेष तौर पर मौजूद रहीं।

हीरक जयंती : ब्रह्माकुमारीज़ के ग्वालियर सेवाकेंद्र के 63वें स्थापना दिवस पर आयोजन

जब हम सेल्फ रेस्पेक्ट करना सीख जाएंगे, तो दूसरों का भी सम्मान कर सकेंगे : संतोष दीदी

शिव आमंत्रण, ग्वालियर, मप्र।

हमको मन की शक्ति देना मन विजय करे, दूसरों की जय से पहले खुद की जय करें। पहले हम खुद को सम्मान देना सीखें। जब हम सेल्फ रेस्पेक्ट करना सीख जाएंगे, तो हम दूसरों का भी सम्मान कर सकेंगे।

यह विचार रशिया सेंट पीटसबर्ग की प्रमुख बीके संतोष दीदी ने ब्रह्माकुमारी केंद्र ग्वालियर के 63वें स्थापना दिवस पर आईआईटीटीएम सभागार में आयोजित समारोह में व्यक्त किए। इस मौके पर कलेक्टर रुचिका सिंह चौहान, भोपाल ज़ोन की निदेशिका राजयोगिनी बीके अवेधश दीदी, भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आशीष प्रताप सिंह, आईआईटीटीएम के निदेशक आलोक शर्मा, आरोग्य भारती मध्य भारत प्रान्त अध्यक्ष डॉ. एसपी बत्रा मुख्य रूप से मौजूद रहे। कलाकारों ने एक से बढ़कर एक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम को ब्रह्माकुमारी लश्कर केंद्र की प्रभारी बीके आदर्श दीदी, तानसेन नगर केंद्र की प्रभारी बीके सुधा दीदी, मुरैना केंद्र प्रभारी बीके रेखा दीदी ने भी संबोधित किया। संचालन बीके डॉ. गुरूचरण सिंह एवं बीके ज्योति बहन ने। आभार बीके प्रहलाद भाई ने माना। इस मौके पर ग्वालियर के सभी केंद्रों की प्रमुख एवं बड़ी संख्या में भाई-बहिन मौजूद रहे।

समस्या- समाधान

सुंदर, श्रेष्ठ विचार ही हमारे जीवन को सुंदर बनाएंगे

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

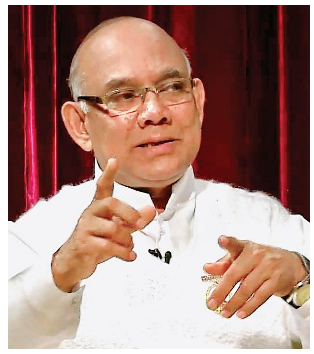

- राजयोगी बीके सूरज भाई, माउंट आबू

हमारे संकल्प ऊर्जा का निर्माण करते हैं। जो हम सोचते हैं उसी प्रकार की ऊर्जा का निर्माण होता है। अतः हमें सुंदर और सकारात्मक संकल्पों की रचना करनी चाहिए। सुंदर विचार ही जीवन को सुंदर बनाएंगे। इस प्रकार सोच को बदलने से जीवन में परिवर्तन आने लगता है। अतः खुशी देने वाले संकल्पों को रचने से जीवन खुशनुमा हो जाता है। सुबह उठते ही पहले 10 मिनट तक इन संकल्पों को रिवाइज करो कि मैं बहुत भाग्यवान आत्मा हूं। मैं बहुत सुखी हूं, मेरा भविष्य बहुत सुंदर है। सुबह-सुबह इन संकल्पों को दोहराने से दिन अच्छा व्यतीत होगा, भाग्य साथ देने लगेगा और जीवन खुशनुमा हो जाएगा।

राजयोग के प्रयोग की विधि से समस्याओं का हल निकालना और बीमारियों को ठीक करने का अयास करना है। हम कलयुग के अंत में पहुंच गए हैं। इस समय नकारात्मकता की सुनामी चल रही है। इससे बचने के लिए हमेशा स्वमान में रहें। ऐसा करने से निराशा अवसाद से बचा जा सकता है और जीवन में खुशी भी रहेगी।

हमें प्रतिदिन पुण्य का काम कर दुआएं लेनी चाहिए। पाप कर्म शांति को छीन लेते हैं। पुण्यों से आत्मा हल्की हो जाती है। हमें लोगों को सुख देकर उनसे दुआएं लेनी चाहिए जो दुआएं मुसीबत के समय में हमारी रक्षा करती हैं।

छोटी आयु के बच्चों में भी दिख रहे हैं भयानक रोग

आजकल डिप्रेशन छोटी आयु के बच्चों, युवकों मे भी दिख रहा है। जन्म लिया बच्चा डायबिटिक पेसेंट है। पांच साल की लडक़ी को कैंसर डिटैक्ट हुआ। सारे डॉक्टर्स की टीम भी हैरानी से सोच रही है कि इतने छोटे आयु में कैंसर क्यों? मुझसे पूछा गया। मैंने कहा आपलोग इसका उत्तर नहीं जान सकते क्योंकि मेडिकल सांइस यहां तक नहीं पहुंचती है। इसका उत्तर सिर्फ स्प्रीचुअल सांइस के पास है।

ब्रेन में छुपे हुए पापकर्म एक्टिव होकर सोने नहीं देते

कार्य व्यवहार में छोटी-छोटी बातों के कारण लोग अपनी शांति को भंग कर लेते हैं। तनाव-ग्रसित होकर दूसरों को भी तनाव के घेरे में बांध ले रहे हैं। खुद से पूछो कि अपनी शांति, खुशी की कीमत ज्यादा या उन बातों की। उत्तर तो स्पष्ट है। मुझे लोग बताते हैं- साढ़े दस बजे नींद आ रही थी चलें सोने के लिए। जब बिस्तर पर गए बिल्कु ल फ्रेश। चार बज गए नींद ही नहीं आ रही अभी तक।

क्या हुआ, नींद तो आ रही थी तब? मनुष्य केब्रेन की जो नेचुरल गति है वो सोने केसमय सुलाना चाहती है लेकिन बेड पर जाते ही ब्रेन में छुपे हुए पापकर्म एक्टिव हो फ्रेश होकर सोने नहीं दे रहे हैं। फिर दिन भर आलस्य-सुस्ती बनी रहती है। कोई भी कार्य सही तरीके से नहीं हो पाता है। जिससे फिर तनाव, डिप्रेशन बना रहता है।

जैसा विचार दूसरों को देंगे वैसा ही लौटकर आएगा-

जो हम दूसरों को देंगे, वो डबल होकर हमारे पास आ जायेगा। यह क़र्म सिद्धांत है, इसको भूलना नहीं चाहिए। इसलिए जो श्रेष्ठ विचार आपको चाहिए, वही औरों को देते चलें। भक्ति में इसका स्थूल रूप कर लिया। बर्तन दान कर दो, बर्तन आयेंगें। आनाज दान कर दो, अन्न आयेगा।

धन दान करो,धन आयेगा। लेकिन हमें क्या करना है अब। सुख दो तो सुख डबल होकर आपके पास आयेगा। दूसरों को प्यार दो तो आपकेऊपर प्यार कि बरसात होने लगेगी। जरूरतमंदों की मदद करो तो में हजारों कदम आपकी ओर बढ़ चलेंगे। संसार में कोई कितना भी धन इक्कठा कर सोचे-मैं अकेला जीउंगा नहीं जी सकता। इसलिए एक दूसरे का मददगार बनो तो मदद मिलती रहेगी।

सकारात्मकता के हथियार से विजय सुनिश्चित

वर्तमान में प्रत्येक घर-परिवार में दिन-प्रतिदिन समस्याएं बढ़ती ही जा रहीं हैं। हरेक व्यक्ति किसी न किसी समस्या में घिरा हुआ है। ऐसे में मानसिक रूप से दृढ़ होना बहुत ही आवश्यक है। कठिन से कठिन परिस्थितियों को राजयोग का अयास आसान कर देता है। चाहे युद्ध जैसी स्थिति हो धैर्यता और सकारात्मकता के हथियार से विजय सुनिश्चित आपकी ही होगी। राजयोग के अयास से हमारे जीवन में सद्गुणों का प्रादुर्भाव होता है। भय एवं तनाव दूर रहते हैं इससे निर्णय शक्ति बढ़ती है। मनुष्य का चिंतन सकारात्मक हो तो बीमारियां भी दूर भाग जाती हैं। राजयोग के अयास से आत्मा में व्याप्त दु:ख और अशांति के मूल कारण काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार आदि दूर होते हैं तथा मनुष्य के कर्मों में दिव्यता एवं कुशलता आती है।

ब्रह्माकुमारीज़ सीतापुर का रजत जयंती समारोह आयोजित, मंत्री बोले-

सामाजिक उत्थान में संस्था का अद्वितीय योगदान

शिव आमंत्रण, सीतापुर, उप्र

ब्रह्माकुमारीज सीतापुर का रजत जयंती महोत्सव शहर के लालबाग स्थित शहीद पार्क में धूमधाम के साथ मनाया गया। प्रदेश के नगर विकास राज्यमंत्री राकेश राठौर, ब्रह्माकुमारीज नेपाल की उपाध्यक्ष बीके दुर्गा दीदी, सुप्रसिद्ध मोटीवेशनल स्पीकर प्रो. बीके ईवी स्वामीनाथन ने अतिथि के रूप में भाग लिया।

कार्यक्रम में नगर विकास मंत्री राठौर ने कहा कि सीतापुर में संस्था की स्थापना का 25 वर्ष पूर्ण होना गौरव की बात है। वैश्विक स्तर पर मानवता के कल्याण हेतु समर्पित संस्था का सामाजिक उत्थान में योगदान अद्वितीय है। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि मुनींद्र अवस्थी ने संस्था के सदस्यों को शांतिदूत बताते हुए कहा कि इनका दिव्य और स्वच्छ जीवन समाज के लिए प्रेरणा है ।

प्रेरक वक्ता प्रो. ईवी स्वामीनाथन ने कहा कि राजयोग के अभ्यास से हम अपने जीवन को शांत, संतुलित और सकारात्मक बना सकते हैं। यही खुशहाल जीवन का राज है। ब्रह्माकुमारीज नेपाल की उपाध्यक्ष बीके दुर्गा दीदी ने कहा कि तनावमुक्त जीवन जीने के लिए आध्यात्मिक जीवनशैली को अपनाना होगा। मीरज़ापुर की प्रभारी बीके बिंदु दीदी, नेपाल से आए वरिष्ठ राजयोगी बीके कृष्णा भाई, बीके मुना दीदी आदि ने भी सम्बोधित किया। इससे पूर्व दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। ब्र.कु. रश्मी, ब्र. कु. ज्ञानु, मोना, आरती, पूजा, बीना आदि ने पुष्पगुच्छ, तिलक, अंगवस्त्र द्वारा तो ब्र. कु. रश्मि बहन ने शब्द पुष्प से अतिथियों का स्वागत किया । स्वागत नृत्य मीरज़ापुर से आई हुई बाल कलाकार आराध्या एवं माही ने किया । सीतापुर प्रभारी ब्र.कु. योगेश्वरी दीदी ने संस्था की स्थापना से लेकर अभी तक के अभिनव कार्यों पर प्रकाश डालते हुए परमात्मा शिव के प्रति आभार प्रकट किया। धन्यवाद ज्ञापन ब्र.कु. सालिग्राम भाई ने किया।

कार्यक्रम में अपने घर परिवार में रहते हुए राजयोग जीवन शैली को अपनाकर दिव्य, पवित्र एवं सात्विक जीवन जीने वाले 25 से अधिक गृहस्थजनों का विधिवत सम्मान हुआ। सुप्रसिद्ध गायक कलाकार राजयोगी ब्र. कु. नितिन ने अपने जादुई सुरों से शमा बांधा । उनके द्वारा महिला एवं पुरुष दोनों के आवाज़ में दी जा रही प्रस्तुति सुन लोग हैरत में पडे । मीडिया प्रभारी बीके विपिन भाई ने संस्था का सामाजिक सरोकार के बारे में बताया।

सशस्त्र पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में तनाव मुक्ति कार्यशाला संपन्न

सीतापुर, उप्र। ब्रह्माकुमारीज़ सीतापुर द्वारा सशस्त्र पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में जवानों के लिए तनाव मुक्ति एवं मानसिक शांति हेतु विशेष ट्रेनिंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। सशस्त्र पुलिस बल के एडीजी के निर्देश पर आयोजित कार्यक्रम मोटिवेशनल स्पीकर बीके तापोसी दीदी ने कहा कि व्यक्ति का अभिमान ही आपसी संबंध को तोड़ता है, इसलिए अपने अभिमान को त्याग कर संबंध को बचाने की जरूरत है। क्षेत्रीय कार्यालय बनारस के मीडिया एवं जनसंपर्क प्रभारी बीके विपिन ने भी सम्बोधित किया। बीके योगेश्वरी दीदी ने आभार जताया।

नई पीढ़ी के उज्जवल भविष्य और प्रदेश, देश के विकास के लिए नशामुक्त भारत का निर्माण जरूरी है : मंत्री

शिव आमंत्रण, झाबुआ, मप्र

ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल विंग एवं सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग भारत सरकार के संयुक्त तत्वाधान में चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ आदिम जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान की उपस्थिति में किया गया। शिव स्मृति भवन गोपालपुर में आयोजित कार्यक्रम में मंत्री चौहान ने कहा कि जो मानव चरित्र निर्माण से जुड़ा है नशा सर्वत्र नाश का कारण है। नशे से व्यक्तिगत हानि के साथ-साथ इसका प्रभाव परिवार एवं समाज पर भी पड़ता है। नई पीढ़ी उज्जवल भविष्य के लिए प्रदेश एवं देश के विकास के लिए नशा मुक्त भारत का निर्माण जरूरी है। सांसद अनिता चौहान ने कहा कि आज के समय में हर मनुष्य आत्मा को अध्यात्म के साथ जुड़ना अनिवार्य है। संचालिका बीके जयंती दीदी ने भी संबोधित किया।

आइकॉन ऑफ इंडिया अवॉर्ड प्रदान किया

शिव आमंत्रण, मुंबई। मुंबई के जीगर हॉटेल में आयोजित अवॉर्ड समारोह में सुप्रसिद्ध अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने भारत के प्राचीन राजयोग के प्रसार-प्रचार के लिए बाणेर ब्रह्माकुमारीज़ को आइकॉन ऑफ इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित किया। अभिनेत्री करिश्मा कपूर ने बाणेर सेवाकेंद्र प्रभारी बीके डॉ. त्रिवेणी और बीके डॉ. दीपक हरके को आइकॉन ऑफ इंडिया अवॉर्ड प्रदान किया। इस दौरान बीके क्रिना दीदी भी उपस्थित रहीं।

तीन दिवसीय गहन योग अनुभूति भट्टी आयोजित

शिव आमंत्रण, बरेली, उप्र। तीन दिवसीय गहन योग अनुभूति भट्टी रिलेक्ट, रिचार्ज एवं रिजेनेट ब्रह्माकुमारीज़ के चौपुला रोड बरेली सेवाकेंद्र की बीके पार्वती दीदी की ओर से स्मार्ट सिटी हॉल में आयोजित की गई। इसमें इंदौर से राजयोगिनी पूनम दीदी ने तीन दिन अलग-अलग विषयों पर क्लास एवं योग अनुभूति कराई।

'ज़िंदगी एक सफर है सुहाना' कार्यशाला संपन्न

शिव आमंत्रण, मुलुंड, मुंबई। ब्रह्माकुमारीज़ मुलुंड सबज़ोन द्वारा राजयोगिनी बीके डॉ. गोदावरी दीदी के मार्गदर्शन में भावनात्मक कल्याण पर जीवन परिवर्तनकारी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। साप्ताहिक एक परिवर्तनकारी कार्यशाला ज़िंदगी एक सफर है सुहाना का आयोजन किया। इस पहल का नेतृत्व प्रसिद्ध फैकल्टी सदस्य बीके कमल द्वारा किया गया, जिसका उद्देश्य भावनात्मक और मानसिक कल्याण को बढ़ावा देना था। इसका पांच सौ प्रतिभागियों ने लाभ उठाया।

नए भवन का किया भूमिपूजन

शिव आमंत्रण, गया, बिहार। एपी कॉलोनी गया में ब्रह्माकुमारीज़ के बनने वाले नए भवन का भूमि पूजन माउंट आबू से पधारीं राजयोगिनी बीके रुक्मणी दीदी, बीके सुनीता दीदी, बीके प्रतिभा दीदी, राजकुमार अग्रवाल, डॉ. शिरी प्रकाश, डॉ.संजय वर्मा और सुशीला डालमिया ने किया। इस दौरान सभी अतिथियों का पट्टा पहनाकर सम्मान किया गया।

शिव आमंत्रण, सदस्यता हेतु संपर्क करें-

वार्षिक मूल्य ▶ 150 रुपए ▶ तीन वर्ष 450 रुपए
▶ आजीवन 3500 रुपए
मो ▶ 9414172596, 8521095678
Website ▶ www.shivamantran.com

पत्र व्यवहार का पता

संपादक ▶ ब्र.कु. कोमल
ब्रह्माकुमारीज, शिव आमंत्रण ऑफिस, शांतिवन, आबू रोड,
जिला- सिरोही, राजस्थान, पिन कोड- 307510
मो ▶ 8538970910, 9179018078
Email ▶ shivamantran@bkivv.org

For online transfer

A/C Name: Rajyoga Education & Research Foundation
A/C Number: 35401958118, IFSC Code: SBIN0010638
Bank & Branch: State Bank Of India, PBKIVV,
Shantivan, Abu Road, Rajasthan
Note: On transfer please email details to:
shivamantran.acct@bkivv.org, Helpline: 9471854331

Scan To Pay

मन को स्वच्छ बनाने में राजयोग का अहम योगदान

शिव आमंत्रण, कादमा (हरियाणा)

आध्यात्मिक सशक्तिकरण से ही हम स्वस्थ व स्वच्छ समाज का निर्माण कर सकते हैं। यह उदगार ब्रह्माकुमारीज की कादमा शाखा में स्वस्थ व स्वच्छ समाज के लिए आध्यात्मिक सशक्तिकरण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में एसडीएम मनोज कुमार ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता आंतरिक रूप से जागृति पैदा करती है। इंसान को इंसानियत सिखाती है आध्यात्मिकता। मेडिटेशन मन की शांति की अचूक औषधि है। मुंबई से पधारे अंतर्राष्ट्रीय प्रख्यात प्रवक्ता प्रोफेसर ईवी गिरिश ने कहा कि मेडिटेशन एक मेडिसिन का काम करती है जो हमें आंतरिक रूप से खुशी की खुराक देती है। स्वच्छ व स्वस्थ समाज के लिए स्वच्छ व स्वस्थ मन का होना बहुत जरूरी है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान में सिखाया जाने वाला राजयोग मन को स्वच्छ बनाने में अपना अहम योगदान देता है। झोझूकलां-कादमा क्षेत्रिय प्रभारी बीके वसुधा बहन ने कहा कि राजयोग से खुद को आध्यात्मिक मूल्यों से परिपूर्ण मूल्यनिष्ठ समाज व स्वच्छ-सुखी समाज का निर्माण कर सकते हैं। माउंट आबू से पधारे समाज सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके बीरेंद्र भाई ने प्रभाग द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में बताया।

शांति हमारा मूलभूत स्वभाव है: प्रो. ईवी गिरीश

शिव आमंत्रण, सिरसा, हरियाणा।

ब्रह्माकुमारीज सद्भावना भवन में वाह जिंदगी वाह कार्यक्रम के अंतर्गत तीन दिवसीय राजयोग अनुभूति शिविर का आयोजन किया गया। इसमें मुंबई से पधारे प्रोफेसर ईवी गिरीश ने कहा कि हमें अपनी विचारधारा, सोच को एवं दृष्टिकोण को चेंज करना है, पॉजिटिव करना है। पानी का मूलभूत धर्म शीतलता है पानी पीने से प्यास बुझती है और अगर इस पानी को गैस पर रखकर स्विच ऑन कर दिया जाए तो वह थोड़े समय में उबलने लगेगा। उस उबलते हुए पानी में अंगुली डालेंगे तो शीतलता की अनुभूति नहीं होगी, उल्टा हाथ जल जाएगा। गर्म पानी को आधा घंटा रखें तो वही पानी शीतल हो जाएगा। इसी प्रकार ओरिजिनल स्वभाव को लाने के लिए कुछ नहीं करना पड़ता। उन्होंने कहा हम गुस्सा करते हैं यानी पानी को गर्म करते हैं। प्रॉब्लम है, मन में शांति नहीं हो तो शांति को ढूंढते हैं, मंदिर-मस्जिद में पूजा पाठ में, जप तप में लेकिन शांति तो हमारा मूलभूत स्वभाव है। आत्मा सॉफ्टवेयर है, आत्मा का मूलभूत ओरिजिनल नेचर सात क्वालिटी हैं।

सद्भावना भवन की संचालिका बीके प्रीति बहन, ट्रस्टी बीके सुभाष भाई, समाज सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके बीरेंद्र भाई ने भी संबोधित किया। इस दौरान सामाजिक संस्थाओं ने प्रो. ईवी गिरीश भाई को सम्मानित किया।

आध्यात्मिक अनुभूति शिविर आयोजित

सकारात्मकता लाने के लिए अध्यात्म की पहचान कर ईश्वरीय महावाक्यों को जीवन में उतारना होगा

शिव आमंत्रण, श्रीनगर(उत्तराखंड)।

स्व चिंतन और आध्यात्मिक दिनचर्या अपनाने से मानव जीवन श्रेष्ठ बनेगा। बाहरी रूप से मानव जीवन जितना आसान और सुविधाजनक होता जा रहा है, अंदरुनी रूप से व्यक्ति विज्ञान की गुलामी में उतना ही उलझन भरा जीवन व्यतीत कर रहा है।

उक्त विचार प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय वक्ता प्रो. ईवी गिरीश ने श्रीनगर गढ़वाल उत्तराखंड सेवाकेंद्र में पांच दिवसीय तनाव मुक्ति एवं आध्यात्मिक अनुभूति शिविर में व्यक्त किए। शिविर में आमजन के साथ ही मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के एमबीबीएस छात्र-छात्राओं ने जिंदगी के हर पल को खुशनुमा बनाने के लिए कई टिप्स लिए। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत का समाज सेवा प्रभाग की तरफ से बीके मेहर चंद, बीके बीरेन्द्र भाई, सेवाकेंद्र संचालिका बीके नीलम बहन ने सम्मान किया। शुभारंभ पर देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी, पूर्व दर्जाधारी मंत्री सुरेश बिष्ट, कीर्ति चक्र विजेता मेजर दिग्विजय सिंह रावत, सामाजिक कार्यकर्ता भोपाल चौधरी मौजूद रहे।

प्रो. ई वी गिरीश ने कहा कि मन में सकारात्मकता लाने के लिए आध्यात्म की सच्ची पहचान करनी होगी और ईश्वरीय महावाक्यों को जीवन में उतारना होगा। ईश्वरीय महावाक्यों से जीवन में सकारात्मकता आयेगी।

गढ़वाल क्षेत्र के निदेशक बीके मेहरचंद ने कहा कि आत्मा को सकारात्मक विचारों और मेडिटेशन से चार्ज करना पड़ेगा और आध्यात्मिकता के साथ दिनचर्या का एक सही टाइम टेबल बनाना होगा। स्व चिंतन के लिए हरेक मानव को वक्त निकाला चाहिए। समाज सेवा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक बीके बीरेन्द्र, बीके प्रकाश, बीके दिपेश, बीके प्रवीण भी मौजूद रहे। पांच दिवसीय आयोजन में शहर के विभिन्न वर्गों के लोगों ने लाभ लिया और मेडिटेशन की बारीकियां सीखीं।

नई राहें

बीके पुष्पेंद्र, संयुक्त संपादक
शिव आमंत्रण, शांतिवन

कैसी है मन की धारा?

मन के मते न चलिए, मन के मते अनेक।
जो मन पर असवार है, सो साधु कोई एक।।
अनुवादः मन के मत में न चलो, क्योंकि मन
के अनेकों मत हैं। जो मन को सदैव अपने अधीन
रखता है, वह साधु कोई विरला ही होता है।

शिव आमंत्रण, आबू रोड, राजस्थान। मन हमारी भावनाओं, विचारों और कार्यों का आधार है। सूचनाओं की बाढ़ से मन की धारा अनचाही दिशा में बह रही है। हम बिना सोचे-समझे मन के सागर में व्यर्थ की गागर भरते जा रहे हैं। पल-पल आते नोटिफिकेशन पर अनचाहे ही अंगुलियां यूं ही बढ़ जाती हैं, भले वह जानकारी उपयोगी है या नहीं, यह मायने नहीं रखता। नकारात्मक सूचनाओं से मन इतना लद गया है कि वह इनके बोझ से कराह रहा है, इनका भार ढोते-ढोते थक गया है, कमजोर हो गया है। परिणामस्वरूप आज तेजी से याददाश्त की कमी और भूलने की बीमारी आम समस्या बन गई है।

यहां विचारणीय प्रश्न है कि हम शरीर के लिए व्रत तो रखते हैं, क्या मन का भी व्रत रखते हैं? रोज कुछ घंटे सूचनाओं के सागर से दूर रह पाते हैं? कुछ समय मन को आराम देने, रिलेक्स होने के लिए भी देते हैं? सप्ताह में एक दिन डिजिटल वर्ल्ड, सोशल मीडिया से दूर रह पाते हैं? मन के मौन के लिए भी कोई कार्ययोजना बनाई है? मन से जुड़े यह वह प्रश्न हैं जिन्हें जानना और समझना समय की मांग है। मन ही जीवन का वह केंद्र बिंदु है जहां से समस्याओं की रचना होती है। समस्याएं मन में बुनी गईं वह रचना है जिनके रचनाकार हम खुद हैं। मन को साधने के प्रति जितने सजग, समझदार और सचेत रहेंगे, जीवन उतना ही आनंद और सुकून भरा होगा। दुनिया की तमाम समस्याओं की जड़ और उत्पति का मूल कारण विकृत मानसिकता और अस्वस्थ मन है। यदि उसकी शक्ति को बढ़ाना है, धार देना है तो कुछ पल उसकी देखभाल के लिए देना होंगे। जब हम उसका ख्याल रखना सीख जाएंगे, एक सकारात्मक दिशा देने में सक्षम हो जाएंगे तो एक समय के बाद मन को उस दिशा में चलने की आदत बन जाती है। मन में आने वाले हर विचार का परीक्षण करें और उसके समुचित पहलुओं को देखते हुए मूर्तरूप दें। इससे मन शक्तिशाली हो जाता है।

आत्मचिंतन, शांति और सुकून की ओर बढ़ते हैं...

मन के मौन का अर्थ है विचारों की अराजकता से मुक्त होकर मन को स्थिर और शांत बनाना। यह वह अवस्था है जब मन किसी बाहरी शोर या आंतरिक उथल-पुथल से प्रभावित नहीं होता। यह आत्म-जागरूकता और आत्म-संयम की एक स्थिति है। मन का मौन केवल शब्दों का मौन नहीं है, बल्कि भीतर की गहराइयों में झांकने और खुद को जानने की प्रक्रिया है। इससे हम आत्मचिंतन, शांति और सुकून की ओर बढ़ते हैं। निर्णय लेने की क्षमता में सुधार आता है। मन की सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

मन को गाइड करके पा सकते हैं सकारात्मक परिणाम...

जो बातें या चीजें हमारे लिए नुकसानदायक हैं, हमें तकलीफ देती हैं उनसे दूर रहने के लिए मन को गाइड करना बेहद जरूरी है। उसे सुझाव दें कि कैसे हम उससे दूर रहकर सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। मन में जब भी नकारात्मक और हिंसक विचार उत्पन्न होता है तो अंतर्मन उस विचार के सामने एक सकारात्मक विचार भी देता है लेकिन जब हम विचारों के चुनाव में लापरवाह, गैरजिम्मेदार होते हैं तो नकारात्मक विचार स्वीकार कर लेता है। जब निरंतर एक तरह के विचार नकारात्मक या सकारात्मक विचारों की धारा मन में प्रवाहित रहती है तो मन को उस धारा के साथ चलने की आदत बन जाती है। कुछ समय बाद उसमें अंतर्मन रम जाता है। इस तरह उसी अनुसार हमारे व्यक्तित्व का निर्माण होता है।

ध्यान, राजयोग मेडिटेशन मन का भोजन है...

ध्यान, राजयोग मेडिटेशन मन का भोजन है। इसमें यदि मौन को समाहित कर लिया जाए तो सोने पर सुहागा। मन को जब आत्म स्वरूप में स्थित कर परमात्म स्वरूप पर केंद्रित करते हैं तो अंतर्मन की शक्तियां पुनः जागृत होने लगती हैं। बिना ध्यान के मन का स्वास्थ्य और संतुलन संभव नहीं है। ध्यान और मन एक-दूसरे के पूरक हैं। मन का मौन आत्मिक विकास का एक महत्वपूर्ण साधन और टूल है। ज्ञानी पुरुष मन के मौन को प्राथमिकता देते हैं। एकांत में जब एक विचार को लेकर मौन के सागर में गोता लगाते हैं तो अंतर्मन की गुफा से नए-नए विचारों का उद्भव होता है। मन को शक्तिशाली बनाने के लिए ध्यान, मां प्रकृति का सान्निध्य, सद्साहित्य या धर्मग्रंथ का नियमित अध्ययन, एकांत में मनन-चिंतन वह औजार हैं जो मन की सोई शक्तियों को पुनः जागृत कर शक्तिशाली मन का निर्माण करने की दिशा में सबसे कारगर हैं। इसके लिए हमें सूचनाओं को सीमित करना होगा और जरूरी सूचनाओं को ही ग्रहण करने की गाइडलाइन बनाना होगी। जैसे ही मन में नवीन या रचनात्मक विचार आए तो उसे डायरी में नोट करना न भूलें। इन उपायों से निश्चिततौर पर मन हमारे नियंत्रण में आ जाता है और हम उसके मालिक बन उसे आदेश देने के काबिल हो जाते हैं।

जीवन प्रबंधन

बीके शिवानी दीदी
जीवन प्रबंधन विशेषज्ञ, अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर और ब्रह्माकुमारीज की टीवी ऑइकॉन, गुरुग्राम, हरियाणा

एक-दूसरे का सम्मान कर स्वीकार करना ही अनेक समस्याओं का समाधान

शिव आमंत्रण, आबू रोड।

खुद की तरह दूसरों में परिवर्तन की आश लेकर प्रयत्न करते रहना, ये एक अंत न होने वाला खेल है, जो खुद की आत्मा की शक्ति को दुर्बल करने का आसान तरीका है।

मान लिया कि घर में दो लोग हैं, एक का संस्कार बहुत साफ-सफाई रखने का है, दूसरे का संस्कार जहां-तहां गंदगी फैलाने का। अब सफाई वाला जो है, वो चाहता है कि दूसरे को भी सफाई वाला बना दें। उस बात पर रोज़ घर में बहस होती है। दूसरा ऑप्शन यही है न कि अपना भी सफाई वाला संस्कार छोड़ दो! हम भी उनके जैसे हो जाएं, तो क्यों नहीं हो सकते? दो लोग हैं। एक का संस्कार है सच बोलने का, दूसरे का संस्कार झूठ बोलने का। पहला उसको रोज़ बदलने की कोशिस करता है कि वो सच बोलें। लेकिन पहला भी वैसा झुठा बन जाएं क्या फर्क पड़ता है। क्यों नहीं बन सकते? शांति तो चाहिए न घर में? दोनों में से किसी भी ऑप्शन में बदल जाएं तो शांति हो ही जाएगी। क्यों न हम बदल जाएं उनकी ही तरह? हमें तो बड़े प्यार से लगता है कि वो गलत हैं! क्या उनको लगता है कि वो गलत हैं? उनको क्या लगता है? हम सही हैं। हमारे सही की परिभाषा अलग और उनकी अलग। क्या ऐसा होता है? हमें जो चींजें खाने में पसंद हैं वो किसी और की पसंद अलग हो सकती है? हमें जो पहनना पसंद है, वो दूसरों का पहनना अलग हो सकता है? इसी तरह हमें जो सोचना पसंद है वो दूसरों का सोचना अलग हो सकता है? हमें जैसा व्यवहार पसंद है, वो दूसरे को अलग पसंद हो सकता है? दोनों में से सही कौन है? दोनों। तो क्या हमें किसी के लिए भी कोई हक है जो दूसरों के लिए कहें कि वो गलत हैं? अब ये बदल जाएं और मेरे जैसे बन जाएं। अपने हिसाब से दूसरों को बदलने का 'ये एक अंत न होने वाला खेल है' जो कि आत्मा की बैटरी को डिस्चाज़ करने का आसान तरीका है। क्योंकि कोई भी असंभव काम करो तो ताकत क्या होती जाएगी? गाड़ी को हैंड ब्रेक लगा दो और एक्सीलेटर साथ-साथ दबाते रहो तो गाड़ी क्या होती रहेगी? वो आगे नहीं बढ़ सकती। लेकिन दबाते जा रहे हैं तो हम संभव काम कर रहें हैं।

पहले खुद को बदलने की जिम्मेदारी लें

दूसरों को कंट्रोल करके चेंज करने की कोशिश करना, ये असंभव है। दूसरे को प्रेरणा देना, दूसरे को राय देना, और दूसरे को चेंज करना, सभी में बहुत अंतर है। एनर्जी में ही फर्क हो जाता है। दूसरे को राय देना, दूसरे को प्रेरित करना और दूसरे को चेंज करना। क्योंकि दूसरे को चेंज करने में पहले ये विचार क्रियेट करने पड़तें हैं कि दूसरा गलत है। जैसे ही मैंने ये विचार क्रियेट किया कि ये गलत है तो सामने वाला हमारे से निगेटिव होकर दूर होता जाएगा। इसलिए पहले खुद को बदलने की जिम्मेदारी लें। अगर हम पुराने तौर-तरीके से कड़े संस्कार के वशीभूत सोचते रहे, बोलते रहे, करते रहे, तो फिर खुशी, सेहत और सुंदर रिश्ता संभव नहीं हो सकता। आज ऐसा कोई घर दिखाई नहीं देता है जहां खुशियां, सेहत और सुंदर रिश्ते सब कुछ सही हों। ये कलयुग की पहचान है। यह स्थिति दिन प्रतिदिन और बढ़ती चली जाएगी।

एक दूसरे का सम्मान कर स्वीकार करना ही अनेक समस्याओं का महामंत्र है

अगर किसी के लिए नकारात्मकता के साथ एक विचार क्रियेट करते हैं कि ये गलत है, तो कौन-सी वाईब्रेशन उसे जाएगी? वह स्वतः ही हमारे से नकारात्मक होने लग जाएगा और मुझे भी गलत समझना शुरू कर देगा। यह अपने संबंधो में खटास और दूरी लाने का सबसे आसान तरीका है। जिससे दूर होना या दूर करना है उसे बस अनादर करते जाओ। उसी तरह किसी को अपने नजदीक लाकर उसे बदलने का सबसे आसान तरीका, उसे आदर करते जाओ, स्वीकार करते जाओ वो आपके हो जाएंगें। किसी को प्रभावित करने के लिए वो हमारे आभा मंडल एनर्जी के जितने नजदीक होगें प्रभाव उनता ज्यादा पड़ेगा। इसलिए हम किसी को रजेक्ट कर, दूर कर, अपमान कर सकारात्मक बदलाव नहीं ला सकते हैं।

आत्मा रूपी सीडी में रिकॉर्डिंग होते हैं अलग-अलग संस्कार

हरेक अविनाशी आत्मा का अपना पार्ट पक्का है। आत्मा के शरीर रूपी वस्त्र की उम्र चाहे जो भी हो, शरीर के कपड़े की तरह ही उस आत्मिक शरीर रूपी वस्त्र की आयु है। आत्मा जो शरीर पहनी है, माना कि वो 61 साल पुरानी है और जो शर्ट पहना है वो दो साल पुरानी है। तो आत्मा की उम्र कितनी है? यह मालूम नहीं, क्योंकि आत्मा तो हमेशा से शाश्वत, सनातन और अविनाशी है। आत्मा तो हमेशा थी हमेशा है और हमेशा रहेगी। 61 साल से मैं आत्मा इस शरीर में हूं। एक पार्टीकुलर देश में, एक पार्टीकुलर शहर में, एक पार्टीकूलर मोहल्ले में, पार्टीकूलर माता-पिता और पार्टीकुलर परिस्थितियां ये सब 61 साल का अनुभव था। हमारा सारा कर्म यहां आत्मा में रिकॉर्ड हो गया। मानलिया कि यहां दो लोग 61 साल के शरीर में बैठें हैं। क्या उन दो आत्माओं पर इन 61 साल के अंदर रिकॉर्डिंग बराबर हुई होगी? मान लिया दोनों दिल्ली में ही थे। एक ही मोहल्ले में थे। असल में एक ही घर में दोनों भाई थे। निश्चत रूप से दोनों आत्माओं में रिकॉर्डिंग बराबर नहीं हुई होगी।

आइए अब दोनों के आत्मा रूपी सीडी को देखते हैं। उनकी जीवन यात्रा को देखते हैं ये आत्मा 61 साल पहले कहां थी? एक और शरीर में, उस शरीर में 70-80-100 साल रही होगी। उस सौ साल में जो उसकी रिकॉर्डिंग हुई और जो दूसरी आत्मा की रिकॉर्डिंग थी क्या बराबर हो सकती है? नहीं हो सकती। फिर उस शरीर से पहले-3, ऐसे कितने शरीर लिए होगें? हर शरीर में माता-पिता अलग, वातावरण अलग, देश भी शायद अलग, माहौल अलग, परिस्थियां तो बिल्कुल अलग तो संस्कार भी अलग। इमेजिन करें कितने रिकॉर्डिंग हुए हैं। इमेजिन करें, आपके जो सबसे नजदीकीरिश्तेदार के तीन चार सदस्य को सामने देखें। अब हरेक को देखो मेरी इतनी सारी रिकॉर्डिंग और इनकी, उनकी भी हजार साल की रिकॉर्डिंग दूसरे तीसरे चौथे की भी दो,चार, पांच हजार साल की रिकॉर्डिंग। क्या सबकी रिकॉर्डिंग बराबर हो सकती है? नहीं एकदम अलग, फिर भी हमने कहा मेरे जैसे बन जाओ,क्या यह संभव है? लेकिन वो वैसा ही व्यवहार करेंगे, जैसी उनकी जनम-जनम की रिकॉर्डिंग है।

जैसा कि दो सीडी हैं, दोनों पर गानें अलग-अलग हैं। एक भी गाना बराबर नहीं। सारे गाने अलग और एक सीडी दूसरे को देख कर कहती है, तेरे ऊपर मेरा वाला गान क्यों नहीं? एक दूसरी सीडी को कहती है इसके गाने तो बिल्कुल गलत है फिर दूसरी वाली सीडी इसको देखकर कहती है नहीं तुहारे वाले गलत हैं। और ये दोनो सीडी रूपी आत्मा जीवन भर दुखी रह कर एक-दूसरे को गलत कहते रहते हैं। तुम गलत तो तुम गलत होता रहता है। अब इन दोनों सीडी को अपने जीवन के अंदर चेंज लाना है। मैं आत्मा सीडी जिसमें हजार, दो हजार, तीन हजार, पांच हजार साल की रिकॉर्डिंग है। हमने कहा ये जो मेरे पति हैं, इनको ऐसे होने चाहिए। जैसा एक अच्छा पति को होना चाहिए। अच्छा पति भी कैसा होना चाहिए? जैसा मुझे अच्छा लगता है। और मुझे कौन-सा अच्छा लगेगा? ये मेरी रिकॉर्डिंग है। जिनको हम समझते थे मेरा पति, मेरा बच्चा, मेरा भाई परमात्मा ने कहा वो आत्मा है। वो भी एक लंबी यात्रा करने वाली, अलग जन्म, अलग संस्कार वाली आत्मा है। तो अब वही मेरे पति, मेरे बच्चे को हमें उनकी जो वास्तविक स्वरूप आत्मा देखना होगा।

इनका भी ध्यान रखें

- हर सुनी-सुनाई बात पर यकीन न करिए। एक कहानी के हमेशा तीन पहलू होते हैं। आपका, उनका और सच।
- दु:खी करने वाले इन चार चीजों से दूर रहिए- आलोचना करना, बुराई शिकायत करना, निंदा करना और तुलना करना।
- अगर किसी बच्चे को उपहार न दिया जाए तो वो कुछ देर रोएगा मगर संस्कार ना दिए जाएं तो जीवन भर रोएगा
- हमेशा इतने खुश रहें कि जब दूसरे आपको देखें तो वो भी खुश हो जाएं।

लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा

शिव आमंत्रण, डलास, टेक्सास। यूनाइटेड नेशंस एसोसिएशन ऑफ यूएसए (यूएनए-यूएसए) डलास द्वारा प्रतिष्ठित एलेनोर रूजवेल्ट लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से बीके सिस्टर रंजन को सम्मानित किया गया है। यह सम्मान संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में उनके उत्कृष्ट योगदान पर प्रदान किया गया।

मिलपिटास में दीपोत्सव मनाया

शिव आमंत्रण, मिलपिटास, यूएसए। ब्रह्माकुमारीज़ सिलिकॉन वैली द्वारा दिवाली मिलन समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की खुशी और उत्सव की भावना ने नई दुनिया को खूबसूरती से दर्शाया। समारोह की शुरुआत बीके मिलपिटास सेंटर के बच्चों द्वारा दिवाली नृत्य के साथ हुई। जिसके बाद रावण अभी भी जीवित है आकर्षक नाटक का प्रदर्शन किया गया। जिसमें रावण की असली पहचान और राजयोग के माध्यम से उस पर विजय पाने के तरीके को दर्शाया गया। बीके कुसुम दीदी ने दशहरा और दिवाली के महत्व को बताया। कार्यक्रम में खाड़ी क्षेत्र के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

श्रीराम-सीता का राज्याभिषेक किया

शिव आमंत्रण, नोवाटो, यूएसए। स्वर्ण मुकुट पहने सैकड़ों लोग हाथों में प्रकाश थामे अनुभूति मेडिटेशन एंड रिट्रीट सेंटर के माहौल को जगमगा रहे थे। प्रकाश के त्योहार दिवाली पर प्रतिभागियों ने न केवल सजी हुई रोशनी देखी, बल्कि आंतरिक प्रकाश को अपने साथ लेकर चलने की सुंदरता का भी अनुभव किया। मुख्य आकर्षण श्रीराम-सीता का राज्याभिषेक था, जो बुराई के सामने अच्छाई की जीत और प्रकाश के प्रतीक हैं। इस दौरान सभी ने मेडिटेशन कर आंतरिक खुशी और शांति की अनुभूति की।

मलावी में राष्ट्रपति से मिलीं बहनें

शिव आमंत्रण, लिलोंग्वे, मलावी। ब्रह्माकुमारीज़ को मलावी में भारतीय उच्चायोग द्वारा भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मूजी के सम्मान में आयोजित सामुदायिक स्वागत समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। नैरोबी से बीके वेदांती दीदी और बीके दीप्ति दीदी इस कार्यक्रम में शामिल हुईं। यह मलावी में भारत के राष्ट्रपति की पहली यात्रा थी। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति से मुलाकात कर ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा की जा रही सेवाओं के बारे में बताया।

RNI No.: RAJHIN/2013/53539, Postal Regd. No. RJ/SRO/9662/2024-26. Posting at Shantivan- 307510 (Abu Road)
Licensed to Post without pre-payment No. RJ/WR/WPP/18/2024-26, Posting on 17 to 20 of Each Month, Published on 14 Nov. 2024
» प्रकाशक व मुद्रकः करुणाकर शेट्टी द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं शिव आमंत्रण, ब्रह्माकुमारीज़ शांतिवन, आबू रोड, राजस्थान से प्रकाशित » संपादकः बीके कोमल » संयुक्त संपादकः बीके पुष्पेन्द्र